■ ज्येष्ठ शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 303 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 01-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सीडीएस के 'खुलासे' के बाद संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाए सरकार

6 कैप्टन एमवी प्रांजल : आम नागरिकों का जीवन बचाकर आतंकवादियों के मंसूबों को किया विफल

7 मैं अपना सब कुछ ईश्वर पर छोड़ चुकी हूं : ममता कुलकर्णी

फर्स्ट टेक

कोविड-19: भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें : कर्नाटक सरकार

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में कोविड–19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने शनिवार को एक परामर्श जारी कर लोगों से भीड़–भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का ध्यान रख जिम्मेदार व्यवहार करने को कहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त ने कोविड–19 निगरानी और सुरक्षा पर सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। परामर्श के मुताबिक, कर्नाटक में कोविड–19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश सरकार संक्रमण को रोकने, मामलों का पता लगाने और देखभाल प्रदान करने के लिए जारी प्रयासों के माध्यम से कोविड–19 की निगरानी और प्रबंधन जारी रखे हुए है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सभी नागरिकों से अनुरोध करता है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क रहें और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन करें।

एनआईए ने जासूसी मामले में आठ राज्यों में 15 जगहों पर छापे मारे

नयी दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक उप निरीक्षक मोती राम जाट की गिरफ्तारी के बाद यह छापेमारी की गई है। जाट को सीआरपीएफ से बर्खास्त कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापे मारे गए।

हमास ने गाजा के लिए युद्धविराम प्रस्ताव पर संशोधन की मांग की

तेल अवीव/एपी। हमास ने गाजा के लिए अमेरिका के नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसमें संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया, कुछ बिंदुओं पर कुछ नोट्स और संशोधन हैं, विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई का समय, सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेना की वापसी पर। हमास के एक अलग बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्ध विराम, गाजा से इजराइल की व्यापक वापसी और सहायता का सुनिश्चित प्रवाह है।

ईरान ने संवर्धित यूरेनियम के भंडार में वृद्धि की :आईएईए

वियना/एपी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने शनिवार को एक गोपनीय रिपोर्ट में खुलासा किया कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल संवर्धित यूरेनियम के भंडार में वृद्धि की है। रिपोर्ट में ईरान से तत्काल अपने रुख में बदलाव करने और एजेंसी की जांच का अनुपालन करने को कहा गया है। आईएईए की यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है जब ईरान और वाशिंगटन संभावित परमाणु समझौते पर कई दौर की वार्ता कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस मामले में किसी समझौते पर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। वियना स्थित आईएईए की इस रिपोर्ट का एसोसिएटेड प्रेस ने अवलोकन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 17 मई तक ईरान के पास 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम 408.6 किलोग्राम था, जो फरवरी की पिछली रिपोर्ट से 133.8 किलोग्राम अधिक है।

सूर्यास्त 01-06-2025	सूर्योदय 02-06-2025
6:42 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
81,451.01	24,750.70
(-182.02)	(-82.90)

सोना	चांदी
10,098 रु.	100,550 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

अब गोली का जवाब गोले से देंगे

अब आतंकवादियों के जरिए 'प्रॉक्सी वार' नहीं चलने देंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दो टूक कहा कि भारत अब आतंकवादियों के जरिए ''छद्म युद्ध'' कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि अब उन्हें (आतंकवादियों को) घर में घुसकर मारा जाएगा और अगर उधर से गोली चली तो जवाब गोले से दिया जाएगा।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर यहां आयोजित 'महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन' में मोदी ने 'सिंदूर' को वीरता का प्रतीक करार दिया और पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे सफल आतंकवाद विरोधी अभियान बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है कि आतंकवादियों के जरिए छद्म युद्ध नहीं चलेगा, अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा उसको भी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।''

■ **सिंदूर हमारी परंपरा में नारी शक्ति का प्रतीक है। राम भक्ति में लीन हनुमान जी भी सिंदूर लगाते हैं। हम शक्ति पूजा में सिंदूर चढ़ाते हैं। यह सिंदूर वीरता का प्रतीक बन गया है।**

उन्होंने कहा, ''अब भारत का एक–एक नागरिक कह रहा है, 140 करोड़ देशवासियों की बुलंद आवाज कह रही है कि अगर तुम गोली चलाओगे, तो मानकर चलो कि गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।'' इस महीने की शुरुआत में, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिसमें जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर–ए–तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या किए जाने की घटना के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए।

मोदी ने कहा, ''भारत संस्कृति और परंपराओं का देश है और सिंदूर हमारी परंपरा में नारी शक्ति का प्रतीक है। राम भक्ति में लीन हनुमान जी भी सिंदूर लगाते हैं। हम शक्ति पूजा में सिंदूर चढ़ाते हैं। यह सिंदूर वीरता का प्रतीक बन गया है।''

कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 3,395 हुई

केरल में सबसे अधिक 1,336 लोग संक्रमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 3,000 से अधिक हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार केरल में सबसे अधिक 1,336 लोग संक्रमित हैं।

मंत्रालय के अनुसार, बीते 24 घंटे में देश में कुल चार रोगियों की मौत हुई है। दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में एक–एक व्यक्ति ने जान गंवाई है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि भारत में कोविड–19 की स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है।

सूत्रों ने कहा कि संक्रमण की गंभीरता कम है, ज्यादातर मरीजों की घर पर ही देखभाल की जा रही है और चिंता की कोई बात नहीं है।

देश में 22 मई को रोगियों की संख्या 257 थी। 26 मई तक यह आंकड़ा बढ़कर 1,010 हो गया और शनिवार को 3,395 पर पहुंच गया।

आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 685 नए मामले सामने आए हैं और चार लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों में कहा गया है कि केरल में 1,336, महाराष्ट्र में 467, दिल्ली में 375, गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 और उत्तर प्रदेश में 117 लोग संक्रमित हैं। वहीं, ओडिशा में दो और लोगों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद राज्य में कुल मामलों की संख्या सात हो गई है।

भारत ने आतंक के खिलाफ नई लक्ष्मण रेखा खींची : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये आतंकवाद के खिलाफ एक नयी लक्ष्मण रेखा खींची है और उम्मीद है कि इस सैन्य कार्रवाई से हमारे शत्रु को कुछ सबक मिला होगा।

यहां 'शांगरी–ला डायलॉग' से जुड़े कार्यक्रम के दौरान, हालिया ऑपरेशन सिंदूर और भारत–पाकिस्तान संबंधों में रणनीतिक स्थिरता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए सीडीएस ने कहा कि ताली दोनों हाथों से बजती है, उम्मीद है कि वे इसे समझेंगे। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद, सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमले किए गए थे। वहीं, पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले किए थे। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष ने परमाणु हथियारों से लैस दोनों पड़ोसी देशों को एक व्यापक संघर्ष के कगार पर ला खड़ा किया था।

सीडीएस जनरल चौहान ने स्वीकार की

पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान की बात

छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को सरासर गलत बताया।

सिंगापुर/नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान के बाद, भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया और पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया। उन्होंने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को भी ''सरासर गलत'' बताया।

'ब्लूमबर्ग टीवी' को दिये एक साक्षात्कार में चौहान ने कहा कि प्रारंभिक नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद भारत ने अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाए और पाकिस्तान में सटीक हमले किए।

सीडीएस ने नुकसान का ब्योरा देने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया। भारत ने कहा कि इन सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान सैन्य संघर्ष रोकने की गुहार लगाने के लिए मजबूर हुआ।

सीडीएस की यह टिप्पणी पड़ोसी देश के साथ चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष में नुकसान के बारे में भारतीय सेना की पहली स्पष्ट स्वीकारोक्ति है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीडीएस ने कहा, ''मुझे लगता है कि लड़ाकू विमान का गिरना महत्वपूर्ण बात नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि वे क्यों गिरे।''

जनरल चौहान से पूछा गया कि क्या इस महीने पाकिस्तान के साथ चार दिनों तक चले सैन्य टकराव के दौरान भारत ने लड़ाकू विमान गंवाए थे। सिंगापुर के दौरे पर गए सीडीएस ने कहा, ''अच्छी बात यह है कि हम अपनी सामरिक गलतियों को समझ पाए, उन्हें सुधारा और दो दिन बाद फिर से लागू किया। हमने अपने सभी लड़ाकू विमानों को फिर से लंबी दूरी का लक्ष्य करके उड़ाया।''

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान छह भारतीय विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे के बारे में पूछे जाने पर जनरल चौहान ने कहा, ''**यह पूरी तरह से गलत है।**''

भारतीय वायुसेना के वायु संचालन महानिदेशक, एयर मार्शल ए के भारती ने स्वीकार किया था कि ''नुकसान लड़ाई का एक हिस्सा है।''

नगालैंड में राकांपा के सभी 7 विधायक एनडीपीपी में शामिल

कोहिमा/भाषा। नगालैंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सभी सात विधायक शनिवार को सत्तारूढ़ एनडीपीपी में शामिल हो गए, जिससे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली पार्टी को 60 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिल गया। इस विलय के साथ ही, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के विधायकों की संख्या 25 से बढ़कर 32 हो गई। अविभाजित राकांपा में टूट के बाद, पार्टी की नागालैंड इकाई ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट का साथ दिया था। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में एनडीपीपी और उसकी सहयोगी भाजपा के बाद, राकांपा राज्य में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जिसने 12 सीट जीती थी।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल हमले के बाद युद्ध विराम वार्ता अधर में

कीव/एपी। यूक्रेन में रूसी ड्रोन व मिसाइल हमले में शनिवार को नौ वर्षीय एक लड़की सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी। यूक्रेन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इस बीच रूस श्वरा अगले सप्ताह की शुरुआत में इस्तांबुल में प्रस्तावित शांति वार्ता के लिए नये सिरे से बैठक में यूक्रेन के राजनयिकों के भाग लेने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूसी सैनिकों ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात यूक्रेन में लगभग 109 ड्रोन और पांच मिसाइलें दागीं।

नैतिक तरीकों से अर्जित लाभ से राष्ट्र के लिए संपत्ति का सृजन : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उद्यमियों को संपत्ति सृजनकर्ता कहती है। उन्होंने कहा कि नैतिक तरीकों से उनके श्वरा अर्जित लाभ विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करते हैं। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय स्मारक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा, भारत में संपत्ति सृजन कभी भी वर्जित नहीं रहा है। हमने संपत्ति सृजन को बढ़ावा दिया है। हम संपत्ति सृजन चाहते हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में उद्यमियों को हम संपत्ति सृजनकर्ता कहते हैं। वे चोर नहीं हैं।

पंडित उपाध्याय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। यह पार्टी ही अप्रैल 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रूप में सामने आई। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि वास्तविक नैतिक प्रथाओं श्वरा लाभ अर्जित किया जाए। इससे ही राष्ट्र के लिए संपत्ति का सृजन होगा। एक बार जब आपके पास संपत्ति होगी, तो आप श्रम को गरिमा देंगे, आप शिक्षा देंगे, आप कौशल देंगे, और आप राष्ट्र की गति और भावना को बढ़ावा देंगे।''

भारत के लिए दीनदयाल उपाध्याय के विचार को याद करते हुए, सीतारमण ने कहा कि योजना बनाते समय, हमें व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर मौजूद व्यक्ति को ध्यान में रखना चाहिए ताकि उसकी गरिमा को बरकरार रखते हुए उसका उत्थान किया जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा, चाहे वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हों या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, इन दो प्रतिष्ठित नेताओं के नेतृत्व में हर सरकारी नीति एकात्म मानववाद को प्रतिबिंबित करती रही है।

भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को व्यापार के जरिए रोकने का सबसे अधिक गर्व है : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जिस ''सौदे'' पर उन्हें सबसे अधिक गर्व है, वह यह है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच ''संभावित परमाणु युद्ध को गोलियों के बजाय व्यापार'' के माध्यम से रोकने में सफल रहे।

■ **ट्रंप ने पिछले कुछ हफ्तों में कई बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि अगर वे संघर्ष नहीं रोकेंगे तो अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार बंद कर देगा।**

ट्रंप ने पिछले कुछ हफ्तों में कई बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि अगर वे संघर्ष नहीं रोकेंगे तो अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार बंद कर देगा।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच बातचीत में व्यापार के मामले पर कोई चर्चा ही नहीं हुई। भारत ने अमेरिका के इस दावे को दरअसल खारिज किया है कि व्यापार संबंधी उसके प्रस्ताव के कारण संघर्ष रोकने पर सहमति बनी। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, ''मुझे लगता है कि जिस सौदे पर मुझे सबसे अधिक गर्व है, वह यह है कि हम भारत के साथ काम कर रहे हैं, हम पाकिस्तान के साथ काम कर रहे हैं और हम गोलियों के बजाय व्यापार के माध्यम से संभावित परमाणु युद्ध को रोकने में सफल रहे।''

ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ''आमतौर पर वे गोलियों के माध्यम से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के माध्यम से ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर बहुत गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान और भारत के बीच एक बहुत ही भयानक संभावित युद्ध हो रहा था।

प्रधानमंत्री ने शुरू की मप्र की पहली मेट्रो रेल सेवा

इंदौर में लोक परिवहन के नये दौर का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर ने शनिवार को लोक परिवहन के नये युग में प्रवेश किया, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहर में मेट्रो रेल सेवा की औपचारिक शुरुआत की। मोदी ने राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण के वाणिज्यिक परिचालन का आगाज किया। यह प्रदेश में शुरू होने वाली पहली मेट्रो रेल सेवा है।

प्रधानमंत्री ने इंदौर के पूर्व होलकर राजवंश की शासक देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर केंद्रित ''महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन'' में कहा, ''मध्यप्रदेश को आज पहली मेट्रो सुविधा मिली है। इंदौर, स्वच्छता के लिए दुनिया भर में अपनी पहचान पहले ही बना चुका है। अब इंदौर की पहचान उसकी मेट्रो रेल से भी बनने जा रही है।''

अधिकारियों ने बताया कि इंदौर में मेट्रो रेल सेवा के पहले चरण के तहत शहर के गांधी नगर स्टेशन से सुपर कॉरिडोर के स्टेशन क्रमांक-तीन के बीच करीब छह किलोमीटर लम्बे सर्वोच्च प्राथमिकता वाले गलियारे (सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर) पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया गया है। इस चरण के निर्माण में 1,520 करोड़ रुपए की लागत आई है।

अधिकारियों के मुताबिक मेट्रो रेल सेवा के शुरुआती चरण में पांच स्टेशन पड़ रहे हैं जिन्हें महिलाओं के सम्मान में क्रमश: देवी अहिल्या बाई होलकर टर्मिनल, महारानी लक्ष्मी बाई स्टेशन, रानी अवंती बाई लोधी स्टेशन, रानी दुर्गावती स्टेशन और वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन नाम दिए गए हैं।

इंदौर में मेट्रो रेल सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किए जाने के अवसर पर जब यह गाड़ी देवी अहिल्या बाई होलकर टर्मिनल से अपने पहले फेरे पर रवाना हुई, तो इसमें केवल महिला यात्रियों को जगह दी गई जिनमें सफाई कर्मी भी शामिल थीं।

इस मौके पर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो रेल सेवा के रूप में इंदौर को बड़ी सौगात दी है। इंदौर, देश का 24वां शहर है जहां हमने मेट्रो रेल सेवा शुरू की है। इस सेवा के शुरू होने से इंदौर के विकास में नया अध्याय जुड़ गया है।''

मध्यप्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, ''इंदौर ने लोक परिवहन साधनों के विकास क्रम में बैलगाड़ियों, तांगों और बसों को देखा है। अब शहर में मेट्रो रेल सेवा की शुरुआत हो गई है। यह एक ऐतिहासिक पल है।'' शहर में मेट्रो रेल सेवा के करीब छह किलोमीटर के जिस सर्वोच्च प्राथमिकता वाले गलियारे पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया गया है, उसके निर्माण की नींव 14 सितंबर 2019 को रखी गई थी। शहर के नये विकसित इलाके में स्थित इस गलियारे पर मेट्रो रेल का प्रायोगिक परीक्षण (ट्रायल रन) सितंबर 2023 में किया गया था।

अधिकारियों के मुताबिक शहर में मेट्रो रेल के स्टेशन इस तरह बनाए गए हैं कि इनके जरिये छह डिब्बों की रेल चलाई जा सकती है, हालांकि शुरुआत में तीन डिब्बों की रेल चलाई जा रही जिनमें लगभग 980 यात्री सफर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल गलियारा बनाया जाना है जिसकी प्रस्तावित लागत 7,500.80 करोड़ रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि 35 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर में मेट्रो रेल के पूरे गलियारे पर कुल 28 स्टेशन होंगे जो स्थानीय लोक परिवहन को आसान, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे।

सहज स्मृति योग

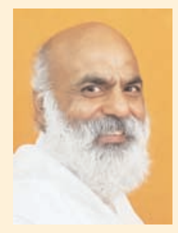

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपने कहा है कि समरस समाज वह है जिसमें जन सामान्य की दैनिंदिन गतिविधियों में अच्छे और अच्छे के बीच ही चुनाव करने वाली मानव निर्मित परिस्थितियाँ और व्यवस्थाएं होतीं हैं जब तक समाज अच्छे और बुरे के बीच चुनाव करने वाली स्थितियों से ही ऊपर नहीं उठ पाता तब तक वह समरस समाज नहीं हुआ होता है। केवल अच्छे और अच्छे विकल्पों वाला आपका यह स्वप्न क्या यथार्थ से पलायन का द्योतक नहीं है ?

उत्तर: काल्पनिक यह तब होता जब हम इसके मृत्योपरांत प्राप्त होने की बात कहते, और यदि ऐसा कहते हैं तब यह मानवता के लिए घातक भी हो जाता है।क्योंकि इससे मानव समाज जीवन की नित्यता और वर्तमान को ही यथार्थ जानकर जो व्यवहार करना चाहिए वह व्यवहार करने से विमुख हो जाता है, उसका विवेक अज्ञात के भय से चलने लगता है। हम तो इसे इसी पृथ्वी पर यथार्थ होने की बात कह रहे हैं तो यह पलायन कैसे हुआ ? यथार्थ में दृढ़ संकल्प शक्ति से संपन्न लोकहित के स्वप्न साकार करने के लिए सतत प्रवृत्त रहना ही पलायनवादी प्रवृति से मुक्त रहने का मार्ग है।

तेलंगाना में आठ माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुलुगु जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के आठ सदस्यों ने शनिवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के एक डिवीजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) और दो एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) सहित आठ माओवादियों ने हथियार डालकर मुलुगु जिले के पुलिस अधीक्षक शबरीश पी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष जनवरी से अब तक तेलंगाना पुलिस के समक्ष 355 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें मुलुगु जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले 68 माओवादी शामिल हैं।

महिला स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए

मुख्यमंत्री धामी ने 'आपदा सखी' योजना शुरू करने की घोषणा की

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को 'आपदा सखी' योजना शुरू करने की घोषणा की और कहा कि इसमें महिला स्वयंसेवकों को आपदा पूर्व चेतावनी, प्राथमिक चिकित्सा, राहत एवं बचाव कार्यों तथा मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

यहां उत्तराखंड राज्य आपदा प्राधिकरण श्ररा मानूसन के मद्देनजर तैयारियों पर आयोजित एक कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आपदा मित्र' योजना की तर्ज पर 'आपदा सखी' योजना शुरू की जाएगी, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में सहायक सिद्ध होने के साथ ही आपदा प्रबंधन में समाज की सक्रिय सहभागिता को और मजबूत एवं प्रभावी बनाएगी। उत्तराखंड को आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य बताते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा, ''हमें बीते वर्षों में आई प्राकृतिक आपदाओं से सबक लेते हुए काम करना है। प्राकृतिक आपदाओं को टाला नहीं जा सकता, लेकिन त्वरित प्रतिक्रिया, सतर्कता और समन्वित राहत एवं बचाव कार्यों से जन-माल की हानि को कम किया जा सकता है।'' मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन के कार्य को सभी विभागों का सामूहिक दायित्व बताते हुए कहा कि इसमें जनभागीदारी भी बेहद आवश्यक है।

जासूसी मामला: पाक खुफिया एजेंसियों को सिम कार्ड मुहैया कराने वाले व्यक्ति का भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने जासूसी गिरोह मामले में जारी जांच के संबंध में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसका संबंध पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों (पीआईओ) से बताया जा रहा है। अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान हसीन (42) के रूप में हुई है, जो जासूसी गतिविधियों के लिए पीआईओ को भारतीय मोबाइल सिम कार्ड की आपूर्ति करने के आरोप में गिरफ्तार कासिम का बड़ा भाई है।

अधिकारी ने बताया, ''जांच के तहत हसीन को राजस्थान के डीग जिले के नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि हसीन करीब 15 साल पहले अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान गया था और कथित तौर पर पिछले चार से पांच साल से पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' के अधिकारियों के संपर्क में था। अधिकारी ने बताया कि अगस्त 2024 में हसीन ने नाम से पंजीकृत सिम कार्ड भाई कासिम के ज़रिए पाकिस्तान भेजा था और बाद में पता चला कि उस सिम कार्ड का इस्तेमाल एक पाकिस्तानी खुफिया 'एजेंट' कर रहा था। पुलिस ने बताया कि हसीन ने न सिर्फ सिम कार्ड पहुंचाने में मदद की, बल्कि पाकिस्तान में व्हाट्सएप खातों को सक्रिय करने में सहायता करने के लिए ओटीपी भी प्रदान किया।

मनोरंजन उद्योग में कामकाजी महिलाओं के साथ अनादर से बात की जाती है : मानुषी छिल्लर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री मानुषी छिल्लर का कहना है कि मनोरंजन उद्योग जगत में कामकाजी महिलाओं के बारे में अक्सर अनादर और तिरस्कार के साथ चर्चा की जाती है, लेकिन पुरुषों के लिए स्थिति काफी अलग है।

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज नाम करने वाली मानुषी छिल्लर ने यह बात कही। मानुषी ने 'सम्राट पृथ्वीराज' (2022) से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। मानुषी (28) ने कहा कि वह सशक्त और शिक्षित माहौल में पली-बढ़ी हैं, जहां सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता था। अभिनेत्री ने कहा कि लेकिन वह 'उस मानसिकता के भी संपर्क में थीं', जो सफल पुरुषों को 'मेहनती और प्रतिभाशाली' व्यक्तियों के रूप में देखती थी, जबकि महिलाओं को ''अवसरवादी, 'गोल्ड डिगर' (दौलत या भौतिक लाभ के इरादे से रिश्ते बनाने वाली महिला) या चालाक'' माना जाता है। मानुषी ने कहा, '' स्त्री-द्वेषी मानसिकता के लोग किसी महिला की सफलता का श्रेय उसकी स्वयं की योग्यता के बजाय पुरुष के संरक्षण को देना अधिक आसान समझते हैं। मैंने हमेशा मूर्खतापूर्ण टिप्पणियों को नजरअंदाज किया है, जिनका वास्तविक दुनिया में महत्व नहीं है, लेकिन मैं लगातार कामकाजी महिलाओं को देखती हूं। विशेष रूप से मनोरंजन उद्योग में महिलाओं के बारे में इस तरह के अनादर और अवमानना के साथ चर्चा की जाती है।''

गरीबों के लिए काम करती है आंध्र प्रदेश सरकार: मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डॉ. बी.आर. आंबेडकर कोनासीमा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार गरीबों के लिए काम करती है और उनके लिए सभी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करती है, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

जिले के चेयेरू में एक ग्राम सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 64 लाख से अधिक लोगों को हर महीने की पहली तारीख को कर्मचारियों की तरह ही पेंशन मिलती है।

नायडू ने कहा, यह सरकार गरीबों के लिए काम करती है। हम गरीबों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए सभी कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरित करने के मामले में राजग सरकार इतिहास में एक अनोखी सरकार है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक कल्याणकारी पेंशन पर 34,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे अमीर राज्यों की तुलना में आंध्र प्रदेश संख्या और धन की दृष्टि से अधिक कल्याणकारी पेंशन देता है।

यह गर्व की बात है कि महारानी अहिल्याबाई महाराष्ट्र की बेटी थीं : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चौंडी (महाराष्ट्र)/भाषा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि यह गर्व की बात है कि महान रानी अहिल्याबाई होल्कर महाराष्ट्र की बेटी थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार एक उदार शासक के रूप में उनके जीवन और योगदान से प्रेरित है और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

फडणवीस 18वीं सदी की इंदौर की शासक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर अहिल्यानगर जिले में उनके जन्मस्थान चौंडी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रानी को उनके असाधारण शासन, सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता तथा संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति योगदान के लिए याद किया जाता है। फडणवीस ने कहा, ''अहिल्याबाई ने राष्ट्रवाद और आध्यात्मवाद का मिश्रण किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन 'देश' और 'धर्म' की रक्षा में लगा दिया। व्यक्तिगत क्षति के बावजूद, उन्होंने प्रजा को अपना परिवार माना और देश भर में मंदिरों और घाटों के जीर्णोद्धार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।'' उन्होंने कहा कि एक शासक के रूप में उनकी विचारधारा और विरासत 300 साल बाद भी शासन में बैठे लोगों के लिए प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने चौंडी में होने वाले कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा, ''लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें (अहिल्याबाई के)'जन्मस्थल' और 'कर्मस्थल' में से किसी एक को चुनना होगा, और उन्होंने पहले ही कर्मस्थल (मध्य प्रदेश) चुन लिया है।''

आहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर मोदी ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और मराठा रानी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके गुणों की प्रशंसा की।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध रखने वाला एक व्यक्ति महाराष्ट्र में गिरफ्तार

नागपुर/भाषा। लॉरेंस बिश्नोई और बिन्नी गुज्जर गिरोह से कथित तौर पर जुड़े एक 'हिस्ट्रीशीटर' को महाराष्ट्र के यवतमाल में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक भूपेंद्र सिंह उर्फ रघु उर्फ भिंडा पंजाब के जालंधर का रहने वाला है और पिछले दो साल से यवतमाल के जांब रोड इलाके में छिपकर रह रहा था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, '' वह 2023 में राजस्थान के बाड़मेर जिले में हत्या के एक मामले में नामजद होने के बाद से फरार था। उस पर 25,000 रुपए का इनाम था। पंजाब में जबरन वसूली के एक मामले में भी उसे दोषी ठहराया जा चुका है। पंजाब और राजस्थान में उसके खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं।''

पुलिस अधिकारी ने बताया कि भूपेंद्र सिंह कथित तौर पर एक भाड़े का हत्यारा है और उसे अमेरिका स्थित अपने सहयोगी सौरभ गुर्जर से वित्तीय सहायता मिल रही थी।

इंदिरा गांधी 1971 के युद्ध के दौरान अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकी थीं : कमलनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सराहना करते हुए कहा कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अमेरिका के दबाव के आगे वह नहीं झुकीं और इसके कारण बांग्लादेश बना।

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित 'जय हिंद सभा' में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने की पृष्ठभूमि में आया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन से जारी लड़ाई को रुकवाने के लिए ''संघर्षविराम'' कराया। हालांकि, भारत अपने इस रुख पर कायम है कि सैन्य संघर्ष रोकने पर बनी सहमति में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत की सेना ने ऐसा पराक्रम दिखाया है कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट किया गया। कमलनाथ ने अपने संबोधन में कहा, ''मैंने 1971 का युद्ध देखा। मैंने (तत्कालीन प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी की ताकत देखी। अमेरिका (जो उस समय पाकिस्तान का समर्थन कर रहा था) ने विभिन्न क्षेत्रों से दबाव डाला, लेकिन इंदिराजी झुकने को तैयार नहीं थीं।'' इससे पहले दिन में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी से ट्रंप के दावों पर अपनी चुप्पी तोड़ने को कहा। सभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने देश के सशस्त्र बलों का सम्मान करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने की सराहना की। कांग्रेस सशस्त्र बलों को सलाम करने के लिए देश भर में 'जय हिंद सभा' कर रही है, जबकि भाजपा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए 'तिरंगा यात्रा' निकाल रही है। राज्य के मामलों पर कमलनाथ ने आरोप लगाया कि मप्र अब झूठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं के अपहरण और किसान विरोधी नीतियों की राजधानी बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सवाल किया, ''मप्र की तस्वीर आपके सामने है। महंगाई और बेरोजगारी है। मैं बेरोजगारी से चिंतित हूं। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। अगर उनका भविष्य अंधकारमय है, तो हम कैसा मध्यप्रदेश बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं मुख्यमंत्री था और मप्र में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों से संपर्क करता था, तो वे दावा करते थे कि राज्य बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से घिरा हुआ है।''

सरकार ने फिल्मों के प्रमाणन और प्रदर्शन के लिए आयु-आधारित श्रेणियां अधिसूचित कीं

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को फिल्मों का प्रमाणन आयु-आधारित श्रेणियों के आधार पर करने की अधिसूचना जारी की, ताकि आयु-आधारित फिल्मों को देखने को बढ़ावा दिया जा सके, विशेष रूप से अभिभावक मार्गदर्शन समूह के लिए। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना में दिसंबर 1991 में अधिसूचित नियमों में संशोधन किया, जिसमें सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों को मंजूरी देने के सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। नियम केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को फिल्मों की विषय-वस्तु की प्रकृति और प्रकार के अनुसार 'यू/ए7 प्लस', 'यू/ए 12 प्लस' और 'यू/ए 16प्लस' चिह्नों के साथ अनुमोदन के साथ अप्रतिबंधित सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों को प्रमाणित करने की अनुमति देते हैं।

पंजाब और हरियाणा में 'ऑपरेशन शील्ड' अभियान के तहत की गयी मॉक ड्रिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब और हरियाणा के अधिकारियों ने शनिवार को आपात स्थिति के मद्देनजर तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए 'ऑपरेशन शील्ड' अभियान के तहत मॉक ड्रिल की। शनिवार शाम को शुरू हुए इस अभ्यास के दौरान दोनों दोनों राज्यों के सभी जिलों में आपात स्थिति का अनुकरण किया गया।

'मॉक ड्रिल' के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा घायलों को स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस में ले जाने और आग बुझाने का अभ्यान करते हुए देखा गया। इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक समय की स्थितियों में आपात प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और उसे बढ़ाना था।

'मॉक ड्रिल' में अग्निशमन व आपात सेवा, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों सहित कई एजेंसियों की समन्वित भागीदारी देखी गई। नागरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने भी अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास पहले 29 मई के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार इसे स्थगित कर दिया गया। पंजाब के होशियारपुर में यह अभ्यास एक काल्पनिक परिदृश्य पर आधारित था, जिसमें दुश्मन के ड्रोनों के झुंड ने एक सैन्य ठिकाने पर हमला किया, जिससे स्टेशन कमांडर को नागरिक प्रशासन से तत्काल सहायता मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। ड्रोन हमले के कारण मौके पर फंसे 20 लोगों को बचाने और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए एक समन्वित प्रयास किया गया। उपायुक्त आशिका जैन ने अभ्यास के समापन पर कहा कि यह अभ्यास किसी भी संकट के दौरान प्रशासन के कुशल समन्वय और परिचालन तत्परता को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की सक्रिय तैयारी रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभ्यास एक नियमित तैयारी का हिस्सा था और निवासियों में किसी प्रकार की कोई घबराहट थी।

जैन ने कहा, मॉक ड्रिल' का प्राथमिक उद्देश्य आपात स्थितियों के लिए लोगों को मानसिक रूप से तैयार करना और निर्बाध अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करना है। उन्होंने युवाओं से आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करने और जागरूकता अभियानों का सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया। पंजाब के सीमावर्ती जिले फाजिल्का में शाम छह बजे हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया गया, जिसके बाद अभ्यास शुरू हुआ। जलालाबाद के उपजिलाधिकारी कंवरजीत सिंह ने बताया कि इस तरह के अभ्यास का मुख्य उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति के लिए खुद को तैयार रखना है। उन्होंने इस तरह के अभ्यास में लोगों की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि जनता की भागीदारी से किसी भी आपात स्थिति से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है।

जिले के सभी शीर्ष अधिकारी अहंकार छोड़ समन्वयता से काम करें : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 30 और 31 मई को दो दिनों तक विधान सौधा कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित डीसी, सीईओ और जिला प्रभारी सचिवों की 18 घंटे बैठक तक की गहन मंथन की बैठक चली। बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दिया कि कर्नाटक के सभी जिले के विकास कार्य, सरकारी योजनाओं का उचित क्रियान्वयन डीसी, एसपी, सीईओ की जिम्मेदारी है। तीनों अधिकारी बिना किसी अहंकार के समन्वय से काम करें। जिला प्रभारी मंत्री और सचिवों के साथ समन्वय बनाकर काम करें।

उन्होंने कहा कि राज्य में हम जो बदलाव लाएंगे, उसे लागू करना आपकी जिम्मेदारी है। आपको ऐसा काम करना चाहिए जिससे जिले में आपकी छाप पड़े। जैसा कि बाबा साहब ने कहा था, आजादी तभी सार्थक होगी जब सभी को आर्थिक और सामाजिक ताकत मिले, इसे संभव बनाना आपका कर्तव्य है। घोषणापत्र में हमारे 533 वादों में से, हमने पहले ही 242 वादे पूरे कर लिए हैं। इसका उचित क्रियान्वयन आप सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कई हिस्सों में छुआछूत अभी भी जीवित है; इसी तरह, बाल विवाह जैसी बीमारियों पर पूरी तरह से नियंत्रण होना चाहिए। जिला कलेक्टरों को आम लोगों के प्रति सिर्फ सहानुभूति ही नहीं बल्कि सहानुभूति भी विकसित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी को निर्देश दिया कि अखबारों में छपी आलोचनाओं और रिपोर्टों का वह तुरंत जवाब देना चाहिए। इससे आम लोगों की कई समस्याओं का समाधान खोजने में मदद मिल सकती है। आपको सरकार और आम लोगों के बीच सेतु का काम करना चाहिए। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीक का इस्तेमाल आम लोगों के अधिकतम लाभ के लिए हो।

कोविड के मद्देनजर भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने शनिवार को एक परामर्श जारी कर लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का ध्यान रख जिम्मेदार व्यवहार करने को कहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त ने कोविड-19 निगरानी और सुरक्षा पर सार्वजनिक परामर्श जारी किया है।

परामर्श के मुताबिक, कर्नाटक में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश सरकार संक्रमण को रोकने, मामलों का पता लगाने और देखभाल प्रदान करने के लिए जारी प्रयासों के माध्यम से कोविड-19 की निगरानी और प्रबंधन जारी रखे हुए है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सभी नागरिकों से अनुरोध करता है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क रहें और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन करें। परामर्श में बताया गया कि किसी भी नए स्वरूप या संभावित प्रकोप का पता लगाने और उसे रोकने के लिए निरंतर सहयोग महत्वपूर्ण है। परामर्श में कहा गया, आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है।

परामर्श के मुताबिक, जनता को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है और चिंतित न हों। आधिकारिक स्रोतों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करें, असत्यापित जानकारी से बचें। स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ जानकारी साझा करें, आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई के लिए विदेश से आने वाले यात्रियों के बारे में अधिकारियों को सूचित करें। परामर्श में बताया गया, जिम्मेदार व्यवहार करें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें, शारीरिक दूरी बनाए रखें, स्वच्छता बनाए रखें। परामर्श के मुताबिक, लक्षण दिखाई देने पर स्वास्थ्य अधिकारियों को जल्द से जल्द सूचित करें और बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में कठिनाई होने पर तुरंत चिकित्सा सलाह लें।

स्वास्थ्य विभाग ने जांच और निगरानी का समर्थन करने के लिए कहा कि औचक जांच में सहयोग करें और निगरानी के लिए रक्त का नमूना लेने की अनुमति दें। राज्य में शुक्रवार शाम तक कोविड के 234 सक्रिय मामले सामने आए हैं।

अहिल्याबाई होल्कर एक प्रेरक शक्ति हैं : शोभा करंदलाजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि हमारा देश आदर्शों और विचारधाराओं का देश है। अहिल्याबाई होल्कर सिर्फ एक नाम नहीं है। अहिल्याबाई होल्कर एक भक्ति है। अहिल्याबाई होल्कर एक विचारधारा है, वे हमारे लिए एक प्रेरक शक्ति हैं। वे शनिवार को मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित पूज्य अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि चीन और अन्य विदेशी देशों में भारत के आदर्शों को बताया जाए, तो वे इसे नहीं समझेंगे; उनके लिए यह विश्लेषण करना असंभव है कि भक्ति का क्या अर्थ है। वे केवल प्रेम को जानते हैं। वे मातृत्व और भाईचारे का अर्थ नहीं समझ सकते।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने 4 दिनों तक 24 घंटे काम किया। वे रात को सोए नहीं। अहिल्याबाई जैसी वरिष्ठ महिलाओं ने हम पर जिम्मेदारी छोड़ दी है। मोदीजी ने विश्लेषण किया कि उनके पास एक प्रतिबद्धता है जिसका हमें पालन करना चाहिए। शिवाजी महाराज के बारे में भाषण देना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या हमें उनके कम से कम 10 प्रतिशत काम जारी रखना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या हमें अहिल्याबाई होल्कर के कम से कम 10 प्रतिशत काम को अपनाना और जारी रखना चाहिए।

विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी ने कहा कि अगर हम इतिहास खोलते हैं, तो हमें कई महाराजाओं और रानियों का इतिहास पढ़ने का अवसर मिलेगा। हम ऋषियों, संतों, वैज्ञानिकों और कवियों का इतिहास पढ़ते हैं। उन्होंने समझाया कि अहिल्याबाई होल्कर एक अच्छी प्रशासक थीं। बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष आशा एस. राव, विजयलक्ष्मी आनंद, राज्य कार्यकारी सदस्य पूर्णिमा प्रकाश और अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

राज्यपाल ने कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स' का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू), मैसूर में सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स का उद्घाटन किया। इस केंद्र की स्थापना राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), स्किल इंडिया और एथनोटेक ग्रुप के सहयोग से की गई है, जिसका उद्देश्य युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल और भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करने के मिशन को आगे बढ़ाना है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल गहलोत ने राष्ट्र निर्माण में कौशल आधारित शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा, कौशल शिक्षा सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है, विशेष रूप से समाज के ग्रामीण, पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए। सही दिशा और प्रशिक्षण के साथ, हमारे युवा तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से मजबूत भारत की रीढ़ बन सकते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन, कौशल भारत मिशन और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना जैसी प्रमुख पहलों के माध्यम से कौशल विकास के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और नौकरी के लिए तैयार कार्यबल तैयार करना है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकारों के केंद्रित प्रयासों के कारण भारत विश्व की 'कौशल राजधानी' बनने की ओर अग्रसर है।

एनएसडीसी जैसी संस्थाएं वैश्विक उद्योग मानकों के अनुरूप कुशल कार्यबल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

नये युग के क्षेत्रों की प्रासंगिकता पर बोलते हुए राज्यपाल ने उभरती प्रौद्योगिकियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्र अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रहे हैं और रोजगार और नवाचार के लिए व्यापक अवसर पैदा कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि हमारे शैक्षणिक संस्थान आगे बने रहने के लिए इन प्रगति के साथ तालमेल बिठाएं। अपनी यात्रा पर विचार करते हुए राज्यपाल गहलोत ने मध्य प्रदेश में बिड़ला कंपनी में अपने प्रारंभिक करियर से जुड़ा एक व्यक्तिगत किस्सा साझा किया तथा व्यावहारिक कौशल विकसित करने में व्यावहारिक अनुभव के महत्व पर जोर दिया।

उद्घाटन समारोह में निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, प्रकाशनाथ स्वामीजी, केएसओयू के चांसलर शरणप्पा वी. हैल्सी, आईएएस अधिकारी नागराज एनएम और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

लूट करने वाली राज्य सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरेंगे : सदानंद गौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने चेतावनी दी है कि एक दिन ऐसा आएगा जब लोग कांग्रेस की लूट करने वाली राज्य सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे। शनिवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक सवाल का जवाब दिया। उन्हें एहसास हो गया होगा कि चुनाव में अभी 2-3 साल बाकी हैं। उन्होंने सोचा होगा कि इतने समय में सब कुछ हो जाएगा। लेकिन अगर लोग सड़कों पर उतरेंगे तो उनका कोई भी मंत्री किसी शहर में नहीं जा पाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को विधानसभा या अपने घर में बैठना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष के पास एक महिला यह कहती हुई आती है कि उसे 2-3 महीने से पैसे नहीं मिले हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि लूट की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का काम एक्शन इंप्लीमेंटेशन कमेटी के माध्यम से किया जा रहा है, जो कहती है कि 3 महीने के पैसे में से 1 महीने का पैसा दोगे तो पैसे मिल जाएंगे। इंप्लीमेंटेशन कमेटी क्यों है? सरकारी अधिकारी क्यों हैं? सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए लुटेरे तैयार करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पूछा कि मंत्री क्यों हैं? उन्होंने कहा कि अधिकारियों को चरने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने शिकायत की कि अगर अधिकारियों को इतना दोगे तो वे ऐसी जगह आवंटित कर देंगे। यह अलीबाबा और 40 चोरों का मॉडल है। कर्नाटक में सिद्दरामय्या और 4,000 चोरों को तैयार करने का काम चल रहा है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसी भ्रष्ट, बेशर्म, अनैतिक सरकार कभी नहीं देखी, जो लोगों की जेब से, हर व्यक्ति की जेब से पैसा और रिश्वत इकट्ठा कर रही हो। कांग्रेस सरकार की गारंटी लोगों के लिए नहीं है, राज्य सरकार के हितों के लिए नहीं है, वे अपने ही साथियों के लिए हैं। हम खजाना लूट रहे हैं। यह कहने जैसा है कि आप भी थोड़ा खा लो। उन्होंने शिकायत की कि यह बहुत खराब परंपरा है। उन्होंने 48 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की भी आलोचना की।

कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति के कारण हिंदू दूसरे दर्जे के नागरिक बन गए हैं। आज अल्पसंख्यक प्रथम श्रेणी के नागरिक हैं, उन्होंने सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति विकास के लिए अनुकूल नहीं है। हम जो भी करेंगे, वह होगा; अल्पसंख्यकों को लगता है कि एक राज्य सरकार है जो हमारा समर्थन करती है। उन्होंने कहाकि केंद्र सरकार के जन औषधि केंद्रों से 100 रुपये की दवाइयां 15-25 रुपये में मिलती थीं। उन्होंने आलोचना की कि ये कांग्रेसी उसे भी रोक रहे हैं।

लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों में घिरे अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक लोकायुक्त ने शनिवार को राज्य भर में उन सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जिन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इस संबंध में जारी एक बयान में कहा गया कि बेलगावी, बागलकोट, बल्लारी, उडुप्पी, दावणगेरे, धारवाड़ और गदग सहित सात जिलों में छापेमारी की गई।

लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, जिन स्थानों पर छापे मारे गए वे बेलगावी में डी देवराज उर्स पिछड़ा अभिवृद्धि निगम के जिला प्रबंधक सिद्धलिंगप्पा, बागलकोट में ग्रामीण अभिवृद्धि और पंचयात राज विभाग के प्रथम श्रेणी सहायक शैला सुभाष तत्राणी तथा बल्लारी में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता अमीन मुख्तार अहमद से जुड़े हैं।

अधिकारियों ने बयान में कहा कि इसके अलावा शिगगांव हावेरी के ग्राम पंचायत बड़ा गांव में पीडीओ रामकृष्ण, करकला में मेसकॉम में अकाउंटेंट गिरीश राव, गदग में 'निर्मिति केंद्र' में परियोजना निदेशक गंगाधर शिरोल और धारवाड़ में पीडब्ल्यूडी, संचार और भवन (एन) क्षेत्र के मुख्य अभियंता एच सुरेश से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की गई।

कर्नाटक ने तंबाकू खरीदने की उम्र बढ़ाकर 21 वर्ष करने संबंधी कानून को अधिसूचित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने एक कानून अधिसूचित किया है, जिसके तहत हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाया गया है और तंबाकू उत्पाद खरीदने की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष की गई है। इसके साथ ही, उल्लंघन के लिए जुर्माने में बढ़ोतरी की गई है। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध तथा व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) (कर्नाटक संशोधन) विधेयक, 2024 को 23 मई को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद 30 मई को अधिसूचना जारी की गई।

सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अधिनियम में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान पर तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल नहीं करेगा। इसमें कहा गया है कि ''इस्तेमाल'' का अर्थ है धूम्रपान करना और तंबाकू थूकना। हालांकि, 30 कमरों वाले होटल अथवा 30 या उससे अधिक लोगों के बैठने की क्षमता वाले रेस्तरां और हवाई अड्डों पर धूम्रपान क्षेत्र या स्थान के लिए अलग से प्रावधान किया जा सकता है। अधिनियम की धारा 4ए हुक्का बार खोलने या संचालित करने पर रोक लगाती है। इसमें कहा गया, कोई भी व्यक्ति अपने या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से किसी भी स्थान पर हुक्का बार नहीं खोलेगा या संचालित करेगा, चाहे वह भोजनालय, पब, बार या रेस्तरां हो, चाहे उसे किसी भी नाम से जाना जाए। अधिनियम के अनुसार, ''हुक्का'' बार का अर्थ है ऐसा प्रतिष्ठान या स्थान जहां लोग सामुदायिक ''हुक्का या नर्गिल' से तंबाकू या अन्य समान उत्पादों को पीने के लिए इकट्ठा होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से प्रदान किया जाता है।

हुक्का बार संचालित करने के लिए सजा के बारे में, अधिनियम में कहा गया है कि जो कोई भी धारा 4 ए के प्रावधानों का उल्लंघन करता है, उसे न्यूनतम एक साल से लेकर तीन साल तक के कारावास की सजा दी जाएगी और जुर्माना न्यूनतम पचास हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक हो सकता है। अधिनियम 21 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को और किसी विशेष क्षेत्र में सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाता है। कोई भी व्यक्ति 21 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री या बिक्री की पेशकश नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा 21, 24 और 28 के तहत सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने और 21 वर्ष या उससे कम आयु के लोगों को तंबाकू बेचने पर जुर्माना 200 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया गया है।

प्रदर्शन

बेंगलूरु में शनिवार को कन्नड़ कार्यकर्ता और पूर्व विधायक वाटल नागराज और उनके समर्थकों ने कन्नड़ भाषा पर टिप्पणी के लिए अभिनेता कमल हासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

हेमावती एक्सप्रेस लिंक नहर परियोजना के खिलाफ तुमकुरु में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे

तुमकुरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में तुमकुरु के गुब्बी इलाके में शनिवार को हेमावती एक्सप्रेस लिंक नहर परियोजना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और किसान संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस प्रदर्शन में भाजपा विधायक बी सुरेश गौड़ा और जी. बी. ज्योति गणेश भी शामिल हुए।

इसके साथ ही विभिन्न धार्मिक मठों के साधु-संतों ने भी प्रदर्शन में भाग लिया और सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर बैठकर यातायात बाधित किया और टायर जलाकर आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों ने जनता के विरोध के बावजूद हेमावती नहर के पानी को पड़ोसी बेंगलूरु दक्षिण जिले (रामनगर) में मोड़ने की सरकार की योजना को अवैज्ञानिक करार दिया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि यह परियोजना तुमकुरु जिले के कई तालुकों के लिए नुकसानदायक साबित होगी।

कम उत्तीर्ण प्रतिशत वाले जिलों के शिक्षा अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाए : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को निर्देश दिया कि उन जिलों के लोक शिक्षण उपनिदेशकों (डीडीपीआई) को नोटिस जारी किए जाएं, जहां 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 60 प्रतिशत से कम है। सभी जिलों के उपायुक्तों (डीसी) और सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को डीडीपीआई को नोटिस जारी करने को कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, सिद्दरामय्या ने अधिकारियों से कहा, ''यदि नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं है, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।'' उन्होंने अधिकारियों से कहा कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा में कम नतीजों के लिए वे शिक्षकों की कमी या कर्मचारियों की कमी का बहाना नहीं बनाएं। उन्होंने कहा कि अच्छे नतीजे केवल दक्षिण कन्नड़ और कुछ अन्य जिलों में आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''डीडीपीआई को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्हें जिलों के प्रभारी सचिवों के साथ मिलकर स्कूलों का दौरा करना चाहिए और शिक्षकों के प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए....यदि शिक्षक और डीडीपीआई रुचि के साथ काम करेंगे, तो हर जगह अच्छे परिणाम आएंगे।''

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में राजनीति की संस्कृति बदली : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राजनीति की संस्कृति बदली और आज 'रिपोर्ट कार्ड' की राजनीति हो रही है। नड्डा यहां लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर महिला सशक्तीकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश की तस्वीर बदली है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का देश दौड़ लगाते हुए आगे बढ़ रहा है। इस बात को हम लोगों ने देखा है। यह बदलती हुई तस्वीर हम लोगों को देखने को मिल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदल दी है। नड्डा ने कहा कि पहले नेता आते थे एक दूसरे के दोषारोपण में समय गुजारते थे, लेकिन आज 'रिपोर्ट कार्ड' की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, हम अगर आपके पास आते हैं तो या तो कोई योजना देकर जाते हैं, बटन दबाकर आपके खाते में कुछ देकर जाते हैं और आपका सशक्तीकरण करने का काम करते हैं, यह हमारे काम करने का तरीका है। जवाबदेही, प्रदर्शन और विकास की राजनीति ...यह हमारे काम करने का तरीका है। भाजपा नेता ने कहा, मोदी जी ने यह संस्कृति बनाई है और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति जोड़ी है कि जिस जनता ने चुना है उस जनता को अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाओ। इसलिए नीति निर्धारकों का बहुत बड़ा असर पड़ता है यह हमको समझना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी तथा गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे।जेपी नड्डा ने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं, जैसे लखपति दीदी योजना और लाडो प्रोत्साहन योजना, पूरे देश में एक उदाहरण बन चुकी हैं। उन्होंने इस सम्मेलन को एक सार्थक पहल बताते हुए कहा कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नड्डा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सुधारों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमारी पुरानी स्वास्थ्य नीति बीमार पड़ने के बाद इलाज पर केंद्रित थी, लेकिन 2017 में लागू नई स्वास्थ्य नीति में हमने यह सुनिश्चित किया कि व्यक्ति को बीमार होने से पहले ही उसका निदान हो। देशभर में 1,77,000 आयुष्मान आरोग्य केंद्र बनाए गए हैं, जहां हर व्यक्ति के 30 साल की उम्र तक उसकी हेल्थ हिस्ट्री तैयार की जाएगी।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के तालमेल की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राजस्थान को स्वास्थ्य क्षेत्र में 3,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह डबल इंजन सरकार के कामकाज का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा, अब देश में वह दौर खत्म हो गया है, जब नेता एक-दूसरे पर दोषारोपण करते थे। अब हर सरकार को अपने काम का रिपोर्ट कार्ड जनता को देना होता है। यह बदलाव प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली का परिचायक है। कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि ये न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि सामाजिक विकास के नए आयाम भी स्थापित कर रही हैं।

जेपी नड्डा ने बताया क्यों बने भजनलाल मुख्यमंत्री ?

जयपुर। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जयपुर में बीजेपी ने कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने बताया क्यों बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री। नडडा ने कहा कि कहा यह विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं, जो दिन-रात मोदी जी के विजन को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है। वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा आपने देखा है कि पहले सरकारें कैसे चलती थीं, उनकी सोच क्या थी सबके सामने है दिन और रात का फर्क हो तो दिन को पसंद करना चाहिए यही अंतर हमारी और उनकी सरकार में है जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है, ना कि स्वार्थ के लिए।

तंबाकू मुक्त राजस्थान के लिए अभियान चलाया जाए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने तंबाकू मुक्त राजस्थान के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया और कहा कि तंबाकू उत्पादों की लत को छोड़ने के लिए संयम और मन की शक्ति जरूरत है। राज्यपाल ने तंबाकू सेवन करने वालों को टोकने-रोकने और इसके दुष्परिणाम बताने के लिए माहौल बनाने पर जोर दिया है। बागड़े शनिवार को यहां 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

आधिकारिक बयान के अनुसार बागड़े ने कहा कि तंबाकू सेवन करने वालों को इसका सेवन करने से रोकेंगे तभी सार्थक परिणाम आएंगे। उन्होंने कहा, तंबाकू लेने वाले नहीं माने तो प्रेम से समझाएं, इसके दुष्परिणाम बताएं। इसी से तंबाकू मुक्त राजस्थान की ओर हम आगे बढ़ सकेंगे। राज्यपाल ने शादी विवाह उत्सव के समय 'स्प्रे' उड़ाने की परंपरा को भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने कहा कि 'स्प्रे' से निकलने वाले झाग के साथ प्लास्टिक के सूक्ष्म कण भी होते हैं जो मुंह, नाक से शरीर में जाते हैं और यह हानिकारक साबित होते हैं। इससे पहले राज्यपाल ने तंबाकू छोड़ो ,कैंसर से मुक्ति पाओ लघु फिल्म का लोकार्पण किया।

बीकानेर बॉर्डर पर बीएसएफ की सतर्कता से नाकाम हुई पाकिस्तानी साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच बीकानेर सेक्टर में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने अपनी सतर्कता और मुस्तैदी से पाकिस्तान की नापाक साजिशों को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की ओर से टर्की और चीन में बने सर्विलांस ड्रोन के जरिए बीकानेर में भारतीय सेना और वायुसेना की गतिविधियों की जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन बीएसएफ ने समय रहते इन ड्रोन को ट्रैक कर उनकी जानकारी आर्मी और एयरफोर्स को मुहैया करवा दी, जिससे संभावित हमलों को विफल कर दिया गया।

बीकानेर सेक्टर के डीआईजी अजय लूथरा ने बताया कि बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा की

सुरक्षा को सुनिश्चित किया, बल्कि सेना और वायुसेना को निरंतर इनपुट देकर पाकिस्तान की हर साजिश को विफल किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन शील्ड के तहत चल रही मॉकड्रिल में भी बीएसएफ पूरी तरह से सक्रिय है। डीआईजी लूथरा ने बताया कि जैसलमेर नॉर्थ और साउथ सेक्टर में पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियां अधिक देखी गईं, जबकि बीकानेर में यह अपेक्षाकृत कम रही। बीकानेर की तरफ जो ड्रोन आए थे, उनका उद्देश्य केवल निगरानी करना था। इड्रूने इन सभी ड्रोन को ट्रैक कर वायुसेना को अलर्ट किया और समय रहते सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए। उन्होंने बताया कि सात से 11 मई के बीच पाकिस्तान की हर संभावित हरकत पर नजर रखी गई और हर जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तैयारी की गई थी। इड्रूकी सक्रियता से यह सुनिश्चित हुआ कि कोई भी घुसपैठ या हमला सफल न हो पाए।

डीआईजी लूथरा ने यह भी जानकारी दी कि भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे गांवों में सड़कों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। सेंट्रल पीडब्ल्यूडी ने इसका टेंडर पहले ही जारी कर दिया था, लेकिन बदलती परिस्थितियों के कारण काम रुका हुआ था। अब हालात सामान्य होने पर मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाएगा।

राजस्थान की हर ग्राम पंचायत में खुलेगा पशु चिकित्सालय : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन न केवल रोजगार का प्रमुख साधन है बल्कि इससे जुड़े आर्थिक और सामाजिक पहलू भी इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। 20वीं पशुधन गणना 2019 के अनुसार राजस्थान में पशुधन की संख्या 56.8 मिलियन (5.68 करोड़) है। यही वजह है कि राजस्थान देश का दूसरा सबसे अधिक पशुधन उपलब्ध कराने वाला राज्य है। रेगिस्तानी इलाकों में पशुपालन न केवल दूध बल्कि मांस, बाल और उनके फर आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। राज्य सरकार भी पशुपालकों के उत्थान के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। यह बात पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा

क्षेत्र के गांव रोजड़ा में आयोजित एक समारोह में कही। उन्होंने कहा कि पशुपालन अब स्टार्टअप के रूप में उभरकर सामने आ रहा है, जिसकी वजह से राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान हो गया है।

उन्होंने कहा कि पशुपालन के क्षेत्र में आ रही सभी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार सदैव तैयार है, जिसका पशुपालकों को लाभ लेना चाहिए। कुमावत ने कहा कि पशुपालन में बढ़ती कठिनाइयों ने किसानों और पशुपालकों के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। इनके सामने सबसे बड़ी समस्या अपने बीमार पशुओं का इलाज करवाना है, परंतु इसे लेकर राज्य सरकार ने कई कदम उठाए हैं। पशुओं को समय पर उपचार मिले इसके लिए प्रदेश में 536 मोबाइल वेटनरी इकाई शुरू की गई है। इसके लिए पशुपालन इस वैन को घर पर बुलाकर ही अपने बीमार पशु का नि:शुल्क उपचार करवा सकता है।

इसके अलावा पशु चिकित्सकों, पशुधन सहायक, पशु परिचर की कमी को दूर करने के लिए 724 पशु चिकित्सा अधिकारी, 5934 पशुधन परिचर व 2041 पशुधन सहायकों की भर्ती की जा रही है। इसके अलावा पशु चिकित्सालयों के सुदृढीकरण के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश में प्रदेश के 25 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को बहु-उदेदशीय पशु चिकित्सालयों में, 19 को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय तथा 101 पशु चिकित्सा उप केंद्रों को पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया गया है।

अब राज्य सरकार हर ग्राम पंचायत स्तर पर पशु चिकित्सालय खोलने के उदेदश्य से कार्य कर रही है।

जयपुर के दो प्रमुख होटलों में बम की धमकी, होटल के कार्यक्रम में भाग ले रहे थे तीन मंत्री

जयपुर। जयपुर के दो प्रमुख होटलों में शनिवार को वस्फिोटक होने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और इन होटलों को खाली करवाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शनिवार को जब यह धमकी भरा ईमेल मिला उस समय राज्य सरकार के तीन मंत्री एक होटल में कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। हालांकि, होटल की गहन तलाशी ली गई लेकिन कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।

शहर में स्थित 'हॉलिडे इन होटल' को आज सुबह ईमेल के माध्यम से परिसर में बम होने की धमकी मिली। उस समय वहां एक कार्यक्रम चल रहा था। इसके मेहमानों में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्यमिता मंत्री के.के. बिश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक शामिल थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मंत्री बेढम को कार्यक्रम के दौरान धमकी के बारे में बताया गया। उन्होंने कार्यक्रम में होटल को खाली करने की घोषणा की। इसके तुरंत बाद तीनों मंत्री वहां से चले गए।

अतिरिक्त उपायुक्त (दक्षिण) ललित शर्मा ने बताया कि बम और स्वान दस्ते ने होटल की गहन तलाशी ली लेकिन कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। इसके कुछ ही देर बाद, दिल्ली रोड पर स्थित 'रैफल्स होटल' को ईमेल के जरिए ऐसी ही धमकी मिली। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और बम निरोधक दस्ते की टीम दोनों जगहों पर पहुंच गईं। एहतियात के तौर पर मेहमानों और होटल के कर्मचारियों को बाहर निकाला गया।

पांच करोड़ रुपये की अवैध सुपारी बरामद

भरतपुर। राजस्थान में सवाईमाधोपुर में राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने चार ट्रकों से मसाला निर्माण में इस्तेमाल होने वाली करीब पांच करोड़ रुपये की अवैध सुपारी बरामद की है। विभागीय सूत्रों ने शनिवार को बताया कि ये ट्रक तेलंगाना और कर्नाटक से राजस्थान में पान मसाला कंपनियों को अवैध रूप से सुपारी की आपूर्ति के लिए आ रहे थे। ट्रकों में लदा माल नकली प्रतिष्ठानों के नाम पर बिना ई-वे बिल के परिवहन किया जा रहा था। सूत्रों ने बताया कि एक ट्रक के केबिन से 10 अलग-अलग पंजीकरण नंबर की नंबर प्लेटें भी बरामद हुई हैं, जिनका उपयोग विभिन्न राज्यों में पहचान छुपाने और कर चोरी के लिए किया जाता था। चारों वाहनों का मुख्यालय में भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि कोटा में एक पान मसाला उत्पादन इकाई पर छापेमारी के दौरान 1500 करोड़ रुपए की कर चोरी उजागर हुई थी।

पूछताछ में उनसे मिली जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

गहलोत ने गिग वर्कर्स से मिलकर सुनीं समस्याएँ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को अपने आवास पर गिग वर्कर्स के एक समूह से मुलाकात की और उनकी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान, उन्होंने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अपनी पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए कानून को मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा लागू न किए जाने पर चिंता व्यक्त की। अशोक गहलोत ने गिग वर्कर्स से बातचीत करते हुए बताया कि उनकी कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान देश में पहली बार 'गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट' राजस्थान में बनाया गया था। यह कानून गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मील का पत्थर था। उन्होंने कहा कि इस कानून में बीमा, काम के घंटे तय करने और अकारण नौकरी से निकालने पर रोक जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल थे, जो गिग वर्कर्स को सुरक्षा प्रदान करते।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस कानून के तहत 200 करोड़ रुपये के 'गिगवर्कर्स वेलफेयर फंड' और एक बोर्ड बनाने का प्रावधान था। उनका दावा है कि इस कानून से इंटरनेट आधारित कंपनियों की मनमानी पर भी अंकुश लगता, जिससे गिग वर्कर्स का शोषण रुकता। गहलोत ने समाज से भी गिग वर्कर्स के प्रति सहानुभूति रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें 14-18 घंटे काम करने वाले इन वर्कर्स के प्रति सहानुभूति का भाव रखना चाहिए। उन्होंने एक विशेष समस्या का उल्लेख किया कि कई आवासीय सोसाइटियों में गिग वर्कर्स को लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक होती है, जिसे उन्होंने अनुचित बताया।

गहलोत ने कहा कि इन वर्कर्स को सामान के साथ सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में परेशानी होना स्वाभाविक है, जबकि वे वहां रहने वाले लोगों की सेवा के लिए आते हैं। अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद इस महत्वपूर्ण कानून को लागू नहीं किया गया है, जिसके कारण गिग वर्कर्स में भारी असंतोष है।

उन्होंने मौजूदा भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने बजट में फंड की राशि बढ़ाने की घोषणा तो की, लेकिन उसका कोई वास्तविक क्रियान्वयन नहीं हुआ है, जिससे गिग वर्कर्स को कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

पूर्व मंत्री के निजी सहायक शकूर खां इंटेलिजेंस की हिरासत में, मोबाइल फोन से मिले पाकिस्तानी नंबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने एक बड़ी कार्रवाई कर जैसलमेर में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी (एएओ) और कांग्रेस के पूर्व कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के पूर्व निजी सहायक शकूर खां को जासूसी के संदेह में हिरासत में लिया है। दरअसल, देशभर में सुरक्षा एजेंसियां इन दिनों पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क पर नजर गड़ाए हुए हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव गहराया है और इसके साथ ही देश में आतंरिक सुरक्षा एजेंसियां हर संदिग्ध गतिविधि को लेकर सतर्क हो गई हैं। राजस्थान इंटेलिजेंस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शकूर खां को बुधवार देर रात जैसलमेर से हिरासत में लिया गया। उसके बाद उसे जयपुर स्थित इंटेलिजेंस मुख्यालय लाया गया, जहां केंद्र व राज्य की खुफिया एजेंसियों की एक संयुक्त टीम उससे पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ में यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि शकूर खां का पाकिस्तान के किन व्यक्तियों और एजेंसियों से संपर्क था और क्या उसने सामरिक दृष्टि से संवेदनशील सूचनाएं साझा की

हैं। शकूर खां के मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान के कई अनजान नंबर मिलने की बात सामने आई है, जिनके बारे में पूछने पर वह स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। इसके अलावा तकनीकी टीमों ने यह भी पाया है कि उसने अपने फोन से कुछ दस्तावेज और डेटा जानबूझकर डिलीट किए हैं, जिनकी रिकवरी की प्रक्रिया तकनीकी माध्यमों से शुरू कर दी गई है। यह दस्तावेज संभावित रूप से खुफिया सूचनाएं हो सकते हैं। शकूर खां, जैसलमेर जिले के बड़ोड़ा गांव की मंगलियों की ढाणी का निवासी है। उसके पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहीमयार खान, सक्खर और घोटकी क्षेत्रों में पारिवारिक संबंध हैं। इंटेलिजेंस को यह जानकारी मिली है कि वह पिछले कुछ वर्षों में सात बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुका है। जांच अधिकारी यह जानने में लगे हैं कि इन यात्राओं के पीछे केवल पारिवारिक उद्देश्य थे या फिर इसके पीछे किसी सुनियोजित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा होने की मंशा थी।

सूत्रों के अनुसार, शकूर खां पोकरण विधायक रहे सालेह मोहम्मद के साथ निजी सहायक के तौर पर कार्यरत था। इसके बाद जब सालेह मोहम्मद राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री थे, उस समय भी शकूर उनके करीबी सहयोगी के रूप में कार्यरत रहा।

कानून के राज में वादी भी उतने ही महत्वपूर्ण, जितने बार और बेंच : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि कानून के राज में वादी भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना बार और बेंच।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर में 680 करोड़ रुपए की लागत से तैयार अधिवक्ता चैंबर और मल्टी लेवल पार्किंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस उच्च न्यायालय में 2017 में आयोजित एक कार्यक्रम को याद किया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोर दिया था कि सुशासन की पहली शर्त कानून का राज है।

मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं के साथ सहानुभूति दर्शाते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों जैसे टूटे चैंबर, यहां तक कि पेड़ के नीचे बैठकर काम करने के बावजूद वे न्याय दिलाने के लिए सतत प्रयासरत रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती है। यह वर्ष भारत के संविधान के लागू होने का अमृत महोत्सव भी है।''

संकट के समय देश को एकजुट रखने का श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए : प्रधान न्यायाधीश गवई

प्रयागराज/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई ने शनिवार को कहा कि देश पर जब भी संकट आया उसने मजबूती और एकजुटता के साथ उसका सामना किया और इसका ''श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए।''

यहां इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 680 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''जब संविधान का निर्माण किया जा रहा था और इसका अंतिम मसौदा संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, उस समय कुछ लोग कहा करते थे कि संविधान जरूरत से अधिक संघीय है तो कुछ लोग कहते थे यह जरूरत से अधिक एकात्मक है।'' उन्होंने कहा, ''बाबा साहेब ने इसका एक जवाब दिया था कि संविधान ना तो पूर्ण संघीय है और ना ही पूर्ण एकात्मक है। लेकिन एक चीज मैं आपको कह सकता हूं कि हमने ऐसा संविधान दिया है जो भारत को शांति और युद्ध दोनों के समय एकजुट और मजबूत रखेगा।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आज हम देखते हैं कि हमारे पड़ोसी देशों में क्या स्थिति है और भारत स्वतंत्रता के बाद विकास की यात्रा पर है। जब कभी संकट आया, देश एकजुट और मजबूत रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान लागू होने की 75 वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कई ऐसे कानून लाए गए जिसमें जमीदार से जमीन लेकर भूमिहीन व्यक्तियों को दी गई। उन्होंने कहा, ''समय समय पर इन कानूनों को चुनौती दी गई। 1973 से पहले उच्चतम न्यायालय का विचार था कि नीति निर्देशक सिद्धांत (डायरेक्टिव प्रिंसिपल) और मौलिक अधिकारों के बीच टकराव की स्थिति बनेगी तो मौलिक अधिकार ऊपर होगा।''

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि 1973 में 13 न्यायाधीशों का निर्णय आया कि संसद को संविधान में संशोधन का अधिकार है और इसके लिए वह मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है, लेकिन उसके पास संविधान के मूल ढांचे में बदलाव करने का अधिकार नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इस पीठ ने यह भी कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों ही संविधान की आत्मा हैं। ये दोनों संविधान के स्वर्ण रथ के दो पहिए हैं जिसमें से यदि एक पहिया रोको तो पूरा रथ रुक जाएगा।

आर्थिक प्रगति के बगैर 'विकसित भारत' की बातें हवा-हवाई : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर रही, जो कोरोना काल के बाद सबसे सुस्त है। उन्होंने सरकार पर कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि आर्थिक प्रगति के बगैर 'विकसित भारत' की बातें हवा-हवाई हैं। विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में धीमी होकर 7.4 प्रतिशत रही। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि दर घटकर चार साल के निचले स्तर 6.5 प्रतिशत पर आ गई।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देश की अर्थव्यवस्था चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही। कोरोना काल के बाद यह सबसे सुस्त रफ्तार है।'' उन्होंने दावा किया, ''भाजपा सरकार आर्थिक मोर्चे पर लगातार असफल हो रही है। देश भर में उद्योग-धंधे सिमट रहे हैं। औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर पर है।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''पूरे देश में भयंकर बेरोजगारी है और नई नौकरियां पैदा नहीं हो रहीं। लोगों की आय घट रही है और आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही है, इसलिए मांग और खपत भी घट रही है।'' उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि आर्थिक प्रगति के बगैर विकसित भारत की बातें हवा-हवाई हैं।

बहराइच में लक्कड़ शाह बाबा की मजार पर लगने वाले मेले पर लगाई रोक

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले में कतर्नियाघाट जंगल के कोर क्षेत्र में स्थित लक्कड़ शाह बाबा की मजार पर हर साल आयोजित किए जाने वाले एक दिवसीय मेले पर जिला प्रशासन ने रोक लगा दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रशासन ने मानव-वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने का हवाला देते हुए यह फैसला लिया है। वही, मेला आयोजकों ने इस फैसले पर विरोध जताया है।

कतर्नियाघाट के प्रभागीय वन अधिकारी बी. शिवशंकर ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रभाग के मुर्तिहा रेंज में लक्कड़ शाह की मजार है जहां ज्येष्ठ माह में आयोजित होने वाले एक दिवसीय मेले में काफी भीड़ होती है। यह स्थान जंगल के कोर क्षेत्र में आता है इसीलिए पिछले चार सालों से यहां भीड़ एकत्र करने पर रोक लगाई जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमने यहां 'स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स', सशस्त्र सीमा बल, पुलिस व वन विभाग के लोगों को भीड़ रोकने के लिए जिम्मेदारी दी गई थी जिससे वहां भीड़ एकत्र न हो और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी घटनाएं न हो।'' अधिकारी ने बताया, ''मजार पर धार्मिक क्रियाकलाप और जियारत पर कोई रोक नहीं लगाई गयी है। क्षेत्र में भीड़ रोकने के लिए वाहनों के आवागमन व आग जलाकर खाना बनाने व वहां रुकने या रात्रि विश्राम पर रोक लगाई गयी है।'' शिवशंकर ने बताया कि मजार के प्रबंधकों ने इस स्थान को वक्फ की जमीन बताकर वन विभाग के समक्ष दावा पेश किया था, लेकिन जमीन के स्वामित्व संबंधी कोई कागजात वह पेश नहीं कर सके इसलिए उनके दावे खारिज हो गए थे। इस संबंध में लक्कड़ शाह मजार प्रबंध समिति के अध्यक्ष रईस अहमद ने कहा कि हिंदू मुस्लिम एकता की प्रतीक इस दरगाह पर दोनों धर्म के लोगों की आस्था है जहां 40% मुस्लिम और 60% हिंदू लोग आते हैं। उन्होंने कहा, ''सदियों से यहां मेले लगते रहे हैं। पहली बार सख्ती की जा रही है कि लाठी लेकर जनता को भगाया जा रहा हैं, खाना बना रहे जायरीन के चूल्हे में पानी डाल दिया। जो वन विभाग अभी तक यहां नीलामी ठेके देता था, 'वर्क ऑर्डर' जारी करता था, वही अब इसे अतिक्रमण बता रहा है।''

उत्तर प्रदेश के बहराइच में अराजक तत्वों ने मंदिर में रखी प्रतिमा खंडित की

बहराइच (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कुछ अराजक तत्वों ने एक मंदिर में रखी मूर्ति को कथित तौर पर खंडित कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को रामगांव थाना क्षेत्र के खासा मोहम्मदपुर गांव में स्थित एक मंदिर में कुछ अराजक तत्वों ने प्रतिमा को खंडित कर दिया। उन्होंने बताया कि आक्रोशित ग्रामीण मंदिर के बाहर इकट्ठा हो गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद ग्रामीणों ने खंडित प्रतिमा को सरयू नदी में विसर्जित कर दिया। तिवारी ने बताया कि वहां नई मूर्ति स्थापित की जा रही है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। एएसपी ने बताया कि इस घटना को लेकर कुछ लोगों श्ररा सोशल मीडिया पर विरोध में उग्र प्रदर्शन का आह्वान किया गया तो जिले में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।

'डोनाल्ड भाई' ने संघर्षविराम का दावा 11वीं बार किया, पीएम कब बोलेंगे: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप श्ररा भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा फिर किए जाने पर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि ''डोनाल्ड भाई'' ने 21 दिन में 11 बार यह बात की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर कब जवाब देंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराया क्योंकि यह संघर्ष परमाणु तबाही का रूप ले सकता था। बाद में शुक्रवार को ही उन्होंने दो बार और यही दावा किया।

हालांकि भारत सरकार ने कहा है कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं हुई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''21 दिनों में यह 11वीं बार है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परम मित्र और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान के साथ युद्धविराम कैसे हुआ। प्रधानमंत्री कब बोलेंगे?'' रमेश ने कहा, ''डोनाल्ड भाई वही बात दोहराते रहते हैं कि कैसे उन्होंने

चार दिवसीय भारत-पाकिस्तान युद्ध को रुकवाया, अमेरिकी हस्तक्षेप और परमाणु खतरे को रोकने के लिए व्यापार रूपी हथियार का उपयोग किया। भारत और पाकिस्तान की बराबरी की बात एक बार फिर दोहराई गई।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के वाणिज्य मंत्री ने 23 मई को न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में बिलकुल यही दावे किए हैं। रमेश ने कहा कि ''डोनाल्ड भाई'' के मित्र नरेन्द्र मोदी पूरी चुप्पी के साथ उनके दावों को नजरअंदाज करते रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए सवाल किया, ''क्या राष्ट्रपति ट्रंप भी वही कर रहे हैं जो नरेन्द्र मोदी हर समय करते हैं और इतने अच्छे से (यानी झूठ बोलना)? या क्या वह 50 प्रतिशत भी सच बोल रहे हैं?''

भारतीय सेना ने अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों का परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना कई अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का 'युद्ध जैसी परिस्थितियों में' परीक्षण कर रही है, ताकि उनके प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन किया जा सके। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इन परीक्षणों का उद्देश्य सेना की तकनीकी क्षमता को मजबूत करना और इसकी परिचालन तत्परता को बढ़ाना है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा मूल्यांकन के दौर से गुजर रहे सैन्य साजो सामान में मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई) रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस) और काउंटर-यूएएस समाधान शामिल हैं। इन मूल्यांकनों के माध्यम से, भारतीय सेना का लक्ष्य अपनी तकनीकी बढ़त को विस्तार देना, परिचालन तत्परता को बढ़ाना और रक्षा क्षमता विकास में स्वदेशी नवाचार व आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी वचनबद्धता की पुष्टि करना है। भारतीय सेना वर्तमान में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज, बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और जोशीमठ सहित देश भर के प्रमुख स्थानों पर व्यापक क्षमता विकास प्रदर्शन कर रही है।

बाघ संरक्षण के प्रयासों में अग्रणी रहे वाल्मीक थापर का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के सबसे प्रख्यात वन्यजीव संरक्षणवादियों और लेखकों में से एक वाल्मीक थापर का शनिवार सुबह उनके आवास पर निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे।

नई दिल्ली में 1952 में जन्मे थापर ने अपना जीवन खासकर राजस्थान के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के अध्ययन और संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने 1988 में 'रणथंभौर फाउंडेशन' की सह-स्थापना की जो समुदाय-आधारित संरक्षण प्रयासों पर केंद्रित एक गैर-सरकारी संगठन है। कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत ने बाघों के मामलों का एक अग्रणी विशेषज्ञ को खो दिया है।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''थापर बाघ संरक्षण में महारत रखते थे। वह भारत के सबसे सम्मानित वन्यजीव विशेषज्ञों में से एक थे और उन्हें 2005 में 'टाइगर टास्क फोर्स' का सदस्य नियुक्त किया गया था। उनके परिवार, दोस्तों, वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षण समुदाय के प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।''

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उनके निधन को एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज का रणथंभौर खास तौर पर उनकी गहरी प्रतिबद्धता और जुनून का प्रमाण है। जैव विविधता से जुड़े कई मुद्दों पर उन्हें असाधारण जानकारी थी और मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान एक भी दिन ऐसा नहीं बीता जब हम एक-दूसरे से बात न करते हों...।''

भारी बारिश से असम के कई भागों में बाढ़, भूस्खलन में पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में पिछले 24 घंटों में हुए भूस्खलन में पांच लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण छह जिलों में बाढ़ आ गई है जिससे 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। एक आधिकारिक बुलेटिन में शनिवार को यह जानकारी दी गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने कहा कि सभी पांच लोगों की मौत कामरूप महानगर जिले में हुई हैं।

राज्य के शहरी मामलों के मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने शुक्रवार को बताया था कि गुवाहाटी के बाहरी इलाके बोंडा क्षेत्र में भूस्खलन की चपेट में आकर तीन महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा था कि कई एजेंसियां प्रभावित लोगों के लिए राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं, क्योंकि शुक्रवार को शहर के अधिकांश इलाकों में भारी जलभराव की खबरें आई थीं। एसडीईएमए बुलेटिन में कहा गया है कि कामरूप महानगर, कामरूप और कछार के पांच राजस्व क्षेत्रों के शहरी इलाकों में बाढ़ की सूचना मिली है। कुल 10,150 लोग प्रभावित हुए हैं तथा दो शिविर और एक राहत वितरण केन्द्र खोला गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि तीन जिलों धेमाजी, लखीमपुर, गोलाघाट के आठ राजस्व क्षेत्रों के शहरी इलाकों में बाढ़ की जानकारी मिली है।

करीब 2,000 लोग प्रभावित हुए हैं, हालांकि बाढ़ प्रभावित शहरी इलाकों में अब तक कोई शिविर या राहत वितरण केंद्र चालू नहीं है। उत्तरी लखीमपुर राजस्व क्षेत्र के अंतर्गत एक 'रिंग बांध' (एक प्रकार का बांध) टूट गया है। बुलेटिन के अनुसार, प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य कर रही हैं।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने चिरांग, बक्सा, बारपेटा, बोंगाईगांव, बजाली, तामुलपुर, दरांग और उदलगुड़ी जिलों के लिए शनिवार को 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

'ध्यान 2026 एशियाड पर लगा है, यूटीटी से तैयारी शुरू करना चाहता हूं'

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार के चैंपियन हरमीत देसाई जापान में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में पोडियम फिनिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसके लिए वह यूटीटी के छठे सत्र को तैयारी की तरह लेंगे क्योंकि इसमें कई अनुभवी खिलाड़ी भाग लेंगे।

विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज देसाई ने 2018 गोल्ड कोस्ट व 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने गोल्ड कोस्ट में पुरुष युगल में कांस्य पदक और जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता है। आठ टीमों के यूटीटी में दो बार के चैंपियन गोवा चैलेंजर्स के लिए खेलने वाले देसाई ने कहा, ''मुझे भविष्यवाणी करना पसंद नहीं है। फिलहाल मैं सिर्फ यूटीटी पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। निश्चित रूप से और भी महत्वपूर्ण टूर्नामेंट आने वाले हैं। स्लोवेनिया डब्ल्यूटीटी अगला टूर्नामेंट है, अगले साल एशियाई खेल होने हैं इसलिए मेरा ध्यान अभी उसी पर है।

सीडीएस के 'खुलासे' के बाद संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाए सरकार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान के एक बयान का हवाला देते हुए केंद्र पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि कई अहम सवालों का जवाब देने के लिए सरकार को तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति श्ररा देश की मौजूदा रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा कराई जाए। जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान की बात स्वीकार की है, लेकिन छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को ''बिल्कुल

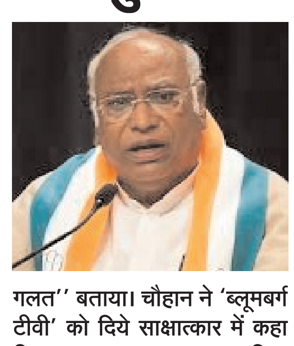

गलत'' बताया। चौहान ने 'ब्लूमबर्ग टीवी' को दिये साक्षात्कार में कहा कि यह पता लगाना अधिक महत्वपूर्ण है कि विमान का नुकसान क्यों हुआ, ताकि भारतीय सेना रणनीति में सुधार कर सके।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सिंगापुर में एक साक्षात्कार में सीडीएस श्ररा की गई टिप्पणियों के मद्देनजर, कुछ बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिन्हें पूछे जाने की आवश्यकता है। ये तभी पूछे जा सकते हैं जब संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए। उन्होंने केंद्र की (नरेन्द्र) मोदी सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया।

खरगे ने कहा, हमारी वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं...हम उनके दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हैं। हालांकि, एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति श्ररा हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 29 जुलाई 1999 को, (तत्कालीन) वाजपेयी सरकार ने भारत के रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रमण्यम, जिनके पुत्र अब हमारे विदेश मंत्री हैं, की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति का गठन किया था।

नफरत भरा भाषण देने के दोषी

विधायक अब्बास अंसारी को दो साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक और पूर्व बाहुबली राजनेता मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने नफरत भरे भाषण के मामले में दोषी करार देते हुए शनिवार को दो साल की सजा सुनायी। इसके साथ ही अंसारी की विधानसभा सदस्यता भी खतरे में आ गई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान मऊ सदर सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने तीन मार्च 2022 को पहाड़पुर मैदान में एक जनसभा के दौरान मऊ प्रशासन को चुनाव के बाद ''हिसाब-किताब करने और सबक सिखाने'' की धमकी दी थी। बचाव पक्ष के वकील दारोगा सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया कि इस मामले में अंसारी के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 189 (लोक सेवक को क्षति पहुंचाने की धमकी), 153-ए (धर्म, जाति, जन्मस्थान, निवास और भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव को बिगाड़ना), 171-एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव डालना) और 506 (आपराधिक धमकी देना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। सिंह ने बताया कि विशेष एमपी/एमएलए अदालत के न्यायाधीश के.पी. सिंह ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद शनिवार को अब्बास अंसारी को दोषी ठहराया और धारा 189 तथा 153-ए के तहत दो-दो साल, धारा 506 के तहत एक साल और धारा 171-एफ के तहत छह महीने की सजा सुनायी। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अंसारी पर दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष अदालत के इस आदेश को अब सत्र अदालत में चुनौती दी जाएगी। फिलहाल, अब्बास अंसारी को अस्थायी जमानत मिल गयी है। सिंह ने बताया कि इस मामले में अब्बास के साथी मंसूर अंसारी को भी सजा सुनाई गई है। उसे साजिश रचने के जुर्म में छह माह की सजा और एक हजार रुपए जुर्माने की सजा दी गयी है। हालांकि अदालत ने इसी मुकदमे में अब्बास अंसारी के छोटे भाई उमर अंसारी को बरी कर दिया है।

खतरे में आयी विधानसभा की सदस्यता

सुविचार

एक पर्व ही बताता है कि ख्याल कितना है, वरना कोई तराजू नहीं होता रिश्तों में।

ट्वीट

इतने वर्षों बाद, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी क्यों और कैसे याद आई? 60-70 साल क्यों उनको याद नहीं किया गया, किसका राज था और किसने उन्हें पन्नों में दबा कर रखा...? जबकि आज भाजपा हर कार्यक्रम के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी को देश के सामने लाने का प्रयास कर रही है।

-जेपी नड्डा

कांग्रेस सरकार के दौरान देश में पहली बार गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट राजस्थान में बनाया गया था जिसमें गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा का कानून था। इसके तहत बीमा, काम के घंटे तय करने, अकारण नौकरी से निकालने पर रोक लगती।

-अशोक गहलोत

कहानी

उजड़ गया मेरा पड़ोसी

संतोख सिंह धीर
अनुवाद - गुरचरण सिंह

जरनैली सडक़ पर मज़हब के सताये हुए लोगों का चार मील लम्बा काफिला नए वतन की ओर जा रहा था। मैं कहीं बाहर से अपने गाँव की ओर आ रहा था। मेरीज़ मंजिल से लगभग दो मील पहले-काफिले के बीच में-हमारी बस खराब हो गयी। सवारियाँ उतर कर सडक़ से नीचे की ओर बिखर गयीं और ड्राइवर इंजन का घूँघट उठाकर नुक्स देखने लगा। सडक़ के बायीं ओर, सुस्त गति से बैलगाडिय़ाँ चीख रही थीं, जैसे कि पहिये धुरी पर विवश घूम रहे हों। भूखे, हाँफते हुए बैलों के कन्धों पर पूरे-पूरे कुटुम्ब का भार था। बैल बीमारों की तरह चल रहे थे उनके मालिकों के दिल उनकी चाल से सहमत नहीं थे। दूसरी ओर बैलों के पैरों से उड़ती धूल हवा की लहरों से चिपकती चारों ओर फैल रही थी।

बैलों के कंठों में घुँघरू नहीं बँधे थे। किसी-किसी बैलगाड़ी से बच्चों के सिसकने-रोने की आवाजें आ रही थीं। बैलगाडिय़ों पर लाशों-से भूखे पिंजर बेचारगी से चुपचाप देखते जा रहे थे। उनके पीले चेहरे धूल से धुँधलाये हुए थे। उनकी सड़ी-गली ज़िन्दगी पर मक्खियाँ भिनभिना रही थीं, और हवा की खुश्क लहरों के साथ एक बदबू वायुमंडल में फैल रही थी। मेरी इच्छा हुई, उजडक़र जा रहे लोगों को, और एक बार करीब से देख लूँ। दो क़दम उठाते ही मैं ऊबड़-खाबड़ में सडक़ के दायें किनारे पर पहुँच गया। अचानक एक तरफ बैलगाडिय़ाँ खड़ी होने लगीं। शायद काफ़िले को रोका गया था। मैं सुरमई सडक़ पर हो गया और लम्बी पंक्ति में खड़ी, प्रत्येक गाड़ी को देखता, धीरे-धीरे आगे बढऩे लगा। किसी बैलगाड़ी से जब किसी की उदास आँखें मेरी ओर देखतीं तो मुझे देखते ही एकदम हट जातीं। प्रत्येक गाड़ीवान एक बार तो मेरी शक्ल से डर जाता जैसे मेरी आँखों में उन्हें बरछे चमकते नज़र आ रहे हों। मैं सुरमई सडक़ से हटकर फिर कच्ची पटरी पर आ गया।

तकरीबन तीन बैलगाडिय़ों के बाद, अचानक एक गाड़ीवान ने मेरी ओर देखा। उसकी नज़रें मुझसे हटते-हटते फिर मेरी ओर हो गयीं। उसने फिर मेरी ओर देखा और उसके चेहरे पर हल्की-सी मुस्कराहट उभर आयी। उसकी आँखों में चमक आ गयी जा इस काफिले में बिल्कुल अनहोनी बात थी। गाड़ीवान एक छलाँग में गाड़ी से उतरकर मेरी ओर बढ़ा-जैसे कि उसकी छाती में कोई गोला फट गया हो-उसे छुरछुरी-सी महसूस हुई और वह फूटकर रो पड़ा। ''ओ...हो...दुल्ला! बहुत बुरा हो गया यार! तू तो पहचान में भी नहीं आ रहा।'' मैंने उसे देखकर कहा। दुल्ले की सिसकी से गाड़ी में निढाल, बेहोश-सी लेटी जैनब के दिल को धक्का लगा। बाप का रोना सुनकर तो बेटियाँ कब्रों में भी जाग जाती हैं।

''अब्बा...तुम...इधर आ जाओ...।'' जैनब ने मरी हुई आवाज़ में कहा। उसकी आँतें जैसे अकड़ गयी हों। उसने मुझे पहचाना नहीं था। बैलगाड़ी से दूर जा रहे अब्बा को यह मौत के जबड़ों में जाता हुआ समझ ही थी। ''दुल्ला! मेरे भैया, आओ हम कोई बात करें।'' मैंने दुल्ला को सान्त्वना देते हुए उसके कन्धे पर हाथ रखते हुए कहा। उसके गाल आँसुओं से भीग चुके थे। उसने सिसकियाँ लेते हुए, अपनी कमीज़ के मैले पल्ले से आँखें और नाक पोंछा। रो-रोकर वह थक चुका था, उसकी आँखों लाल हो गयी थीं। उसने अपने को सँभालते हुए मेरी ओर देखा, और धीरे-सी गर्दन घुमाकर उसने अपनी बेटी से कहा, ''बेटी जैनब, गुरबचनसिंह खड़ा है..., अपना पड़ोसी..., मिल लो...।''

उसने ढीली बाँहों से बैलगाड़ी का सहारा लिया जिससे उसकी कोहनियाँ बाहर की ओर निकल आयीं। उसकी कमर के ऊपर खोंची लुँगी गाड़ी की बाँहों के ऊपर तक उड़ रही थी।

मेरा नाम सुनते ही जैनब फूट-फूटकर रो पड़ी। उसकी पसलियों में साँस खींचने की भी ताकत नहीं थी। पर रोने के लिए उसमें पता नहीं कहाँ से हिम्मत आ गयी थी। उसके रुदन को सुन बैलों की आँखों से भी आँसू बहने लगे।

दुल्ला हमारे गाँव का राठ गूजर कहलाता था। बीस-बीस कोस तक उसकी धाक थी। सारे गाँव के डाँगर वही चराता था। साथ ही बकरियों का एक झुंड भी पालता था। ऐसा कभी नहीं हुआ कि उसकी सुपुर्दगी में डाँगर किसी के खेत में घुसे हों और उन्हें किसी दूसरे गाँव के फाटक में बन्द होना पड़ा हो। उनके साथ काम पड़ता रहा था।

हमारे मकान के पीछे, पशुओं के बाड़े के साथ, उसकी बकरियों का बाड़ा था। मेरे पिताजी बताया करते थे कि दुल्ले के ताऊ सुलेमान ने एक बार हमें विश्वास दिलाया था-सावनसिंह, तुम्हारा माल हमारा माल, कोई फ़र्क तो नहीं, तुम घर में आराम से सोया करो। तुम्हारे डाँगरों की देखभाल करके हम थक नहीं जाएँगे।' तभी से हमने कभी अपने पशुओं के पास चारपाई नहीं बिछायी।

जैनब मेरी बहनों की पक्की सहेली थी। वे जब मिलकर सूत कातने बैठती तो सुबह तक लगी रहतीं। इकट्ठे मिल औरतों ने गाना, झूले झूलने। वे एक साथ उठती-बैठतीं, सोचती-विचारतीं। मिलकर वे सुन्दर फुलकारी काढ़तीं। हमारी अजब रंगों वाली दरियाँ उनकी साँझी आकांक्षाओं के रंगीन उदाहरण हैं। जैनब का दाज मेरी बहनों ने मिलकर बनाया था। और अब जैनब मेरी बहनों के साथ मिलर उनका दाज तैयार करवा रही थी।

जैनब मुझे सगी बहन-सी लगती थी। वह मुझे सदा वीर' कहकर ही बुलाती थी। जब कभी वह मेरी किसी बहन से छीना-झपटी करती तो मेरे लिए फैसला करना मुश्किल हो जाता। किसका दोष निकालूँ-किसको डाँटूँ!

जब उसकी डोली जा रही थी तो उसके रिश्तेदारों के साथ मेरी बहनें भी खूब रोयी थीं। उनके रिश्तेदारों ने छींट के कपड़े और चाँदी के आभूषण पहने हुए थे-उनमें मेरी सादी बहनें अलग लग रही थीं। पर आत्मा से निकले दर्दीले विलाप से मैं अपनी बहनों की आवाज़ को पहचान नहीं पाया था।

उसके भाई और बाप ने अपनी साधारण पगडिय़ों के कानों पर लटकते पल्लों से आँखें पोंछी थीं। जबकि वे राठ थे, पर बेटियों को विदा करते समय अच्छे-अच्छे तीसमारखाँ भी निरीह हो जाते हैं। जैनब अपने मामा के आलिंगन में उसके गले से लगी, एक अजीब काँपते स्वर में ऊँ-ऊँ करके रो रही थी। इस लय में औरत ज़िन्दगी में शायद एक बार ही रोती है। उसके रोने की थिरकती लय में मेरा दिल डूबता जा रहा था, जैसे नदी की लहरों के बार-बार किनारे से टकराने से किनारा धुल जाता है। दो आँसू मेरी पलकों से निकलकर धरती पर गोल बूँदों के रूप में गिर गये थे।

वही जैनब अब मुझे पराया समझ रही थी, जैसे उसके दिल से विश्वास उठ गया हो। उसके मन में सन्देह था-'वीर-वीर' करती हुई भी तो बहुत-सी औरतें मारी गयीं...।

मेरे हृदय में भी छुरियाँ चल रही थी-बहन को आज भाई पर भी विश्वास नहीं रहा-उसी जैनब का हृदय आज मेरी परछाई से भी काँपता था। वही विवाहिता जब वापस लौटी थी तो मुझे इस तरह आलिंगन में लेकर मिली थी, जैसे अपने भाई जमाले को।

''अच्छा गुरबचनसिंह...आखिरी समय तुम मिल गये...।'' दुल्ला ने गले में रुके गुबार का घूँट भरते हुए कहा। बड़ी मुश्किल से उसके गले से आवाज़ निकली।

''समय का फेर है, दुल्ला, कुछ हवा ही बुरी चल पड़ी है। अच्छे-भले आदमी पशु बन गये हैं।''

बचनसिंह, अल्लाह जानता है, हमने तो कभी किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा...हम तो निर्दोष हैं,'' दुल्ला की नीचे की ओर लटक रही मूँछें काँप गयीं और उसकी दाढ़ी के बाल बुर्श की तरह अकड़े खड़े रहे जिसमें धूल का मैलापन झाँक रहा था।

''सच, नूर, जीनाँ, कैमी, गोहर और छोटी मुनिया फाताँ नज़र नहीं आयीं।''

''सभी को अपनी-अपनी जान बचाने की पड़ गयी थी। भगदड़ में बच्चों को कौन सँभालता? पीरू डूम के बेटे नजीर ने बताया था कि गोरे के खेतों में उन्हें मार दिया जहाँ वे टीकरियों से खेला करते थे।'' दुल्ला की आँतें जैसे चुपचाप रो दी हों। उसके बन्द होंठों और ठोढ़ी पर गम काँप गया। ''मैं, जैनब और वह गाम का छोटा बच्चा तीन दिन ईख में छिपे रहे। और एक रात जब हो-हल्ला कुछ शान्त हुआ तो मौका पाकर हम रोजीं में जा छिपे, तब कहीं जान बची।''

''खैर, अच्छा दुल्ला, तेरी कजान तो बच गयी। सब-कुछ फिर से ठीक हो जाएगा।''

''अच्छा, शुक्र है उस परमात्मा का...'' दुल्ले ने आसमान की ओर अदब से संकेत करते हुए कहा। दूर, ऊँचाई पर कौवों की एक पंक्ति उड़ती हुई गाँव की ओर जा रही थी। दुल्ले की आँखों में इच्छा और लालच चमक उठा-यदि मैं कहीं कौवा बन जाऊँ...जाती बार तो अपने गाँव की मुँडरों पर खूब उड़ूँ...मेरी जान को कोई खतरा नहीं होगा...मेरा कौन-सा कोई मज़हब होगा...!''

पंक्ति दूर निकल गयी थी, जैसे कि कौवे मच्छर बन गये हों। दुल्ले ने कौवों की दूरी जितना लम्बा साँस लिया।

''बेटी जैनब! तू भी कोई बात कर ले, भैया खड़ा है।'' दुल्ले ने बेटी पर दया और लाड़ करते हुए कहा।

जैनब का रुदन अब टूटी हुई सिसकियों में बदल गया था। वह रो-रोकर निढाल हो गयी थी। उसकी फटी हुई चुनरी आँखों के पानी में डूबकर लाल-लाल मछलियों-सी लग रही थी।

उसके मुँह से आवाज़ निकली- ''भैया, तुम मुझे अब भी रख लो...हम तुम्हारे धर्म में आ जाते हैं।'' ''बहन, आज मेरा कोई धर्म नहीं। यदि मेरा धर्म होता तो मेरे सामने आप इस तरह बेघर न होते।'' ''अच्छा...भैया...।'' जैनब ने एक पल के लिए आँखें फाडक़र मेरी तरफ देखा, जैसे कि अँधेरे में वह कोई सुरक्षा की किरण तलाश रही हो। पर जल्द ही उसकी अधबुझी आँखों पर धूल-सनी पलकें झुक गयीं। उसका दिल चीख उठा। उसने महसूस किया-बहन को घर की तरफ आते देखकर निर्मोही भैया ने दरवाजा बन्द कर लिया।

''अच्छा बचनसिंह, गाँव के दरवाजे को हमारा सलाम कहना। और बरसात के पानी में हमारे मकान-कोठे का ध्यान रखना। कहीं छत चूने न लगे। हमारे परदादे के समय से यह छत हमें ओट देती रही है। सूने घर की पर्तें उतर-उतरकर मकान को खोखला कर देती हैं।''

''तुम्हारे कोठे की...।'' मेरे मुँह से सच निकलने लगा था कि-अभी तुमने चौखट ही पार की होगी, तुम्हारे जाते ही उसमें आग की लपटें जल उठीं। नीली जीभों वाली आग की लपटें सर्पिणियों की तरफ फुँकार रही थीं, जिनकी लपेट में तुम्हारी छत की सड़ी कडिय़ाँ तिडक़-तिडक़र जल गयीं और लपटों की गरमी से अधजली दीवारों में दरारें पड़ गयीं।' पर सच कभी-कभी बरछे-सा चुभता है और बहुत दु:ख देता है। और हम सच से वाकिफ़ होते हुए भी जब झूठ को सुनते हैं तो आत्मा प्रसन्न हो जाती है।

दु:खते हुए दिल को और दु:खी क्यों करूँ? मैं उसे सच बताते-बताते रुक गया और धीरे-से कहा-''तुम बेफ़िक्र रहो, दुल्ला। तुम्हारे घर का मैं ध्यान रखूँगा।''

हम सडक़ की कच्ची पटरी से उतरकर कुछ नीचे की ओर हो गये। रक्षक सिपाहियों की एक बस आधी कच्ची और आधी पक्की सडक़ पर चलती-लुढक़ती आ रही थी। घूँ-घूँ करती लुढक़ती बस हमारे पास से गुजर गयी। धूल का एक भूरा बादल धरती से उडक़र वायुमंडल में बिखरने लगा। दूर तक इस बादल में संगीनों की तेज जीभें चमकती जा रही थीं।

बादल थककर बिरला हो गया था। धूल की खुश्की धीरे-धीरे काफ़िले पर गिरती हुई जमती चली गयी। ''अच्छा, गुरबचन! अल्लाह ने चाहा तो कहीं फिर मिलेंगे, जिन्दा या...।'' ''जरूर मिलेंगे दुल्ला, तुम चिन्ता मत करो। मिले बिना अपना काम नहीं चलेगा...आख़िर हमें एक होना ही पड़ेगा।''''पर, मुझे तो आशा नहीं।''

तू तो बावला है। नाखूनों से कभी मांस अलग नहीं होता। यह तो सब अँग्रेजों की चाल है। हमें भडक़ाकर भुतहा बना दिया। भाई ने भाई का पेट फाड़-कर चिथड़े कर दिया।

चलो भी! ससुरे कैसे मेंढकों से उछलकर अलग हो जाते हैं।'' काफ़िले के साथ-साथ पैदल गश्त कर रहे फौज़ियों ने जिनके कन्धों पर सफेद जीभों वाली बन्दूकें थीं, सडक़ के किनारे बैठकर घास उखाड़ रहे लोगों से कहा, जो काफिला रुक जाने पर अपने बैलों के पेट भरने के लिए घास उखाडऩे लग जाते थे।

धीरे-धीरे काफिला सरकने लगा। बैलों ने फिसलने वाली स्लेटी सडक़ पर अपने पिछले खुरों को अड़ाकर अपनी गर्दनों पर पूरे कुटुम्ब का भार खींचा। दम लगाते बैलों की आँखें चौड़ी होकर जैसे फटने लगी हों। गाड़ी के पहिये धरती में धँसे जा रहे थे। निर्दयी गाड़ीवानों ने बैलों की पूँछों को मरोड़ा और उनकी जाँघों के बीच अपने डंडे को चुभाया। पहिये विवश हो घूरी पर घूमने लगे। गाडिय़ों की पसलियों से निकली चीख, पहिये से निकली चीखों के साथ मिल काफिले की समूची चीख बनने लगी।

दुल्ला एक छलाँग में बैलगाड़ी की गर्दन पर जा बैठा। बैलों की सफेद पूँछों के उसने कुंडल बना दिये। उसने अपनी लटक रही टाँगों के अँगूठे बैलों की जाँघों के बीच लगाये। उसकी बैलगाड़ी के पहियों में से एक मार्मिक चीख निकली जो महान चीख से मिलकर एकाकार हो गयी।

मेरी जेब में तीन रुपये सात आने थे। सवा रुपया मैंने किराया देना था। मैंने चलते-चलते दो का नोट जैनब की हथेली पर रख दिया और उसकी पतली और सूखी उँगलियों को बन्द करने लगा।

''वीर, तुम रहने दो, कष्ट मत करो।''

''रख लो, रख लो, मेरी बहन, कष्ट कैसा! मैं तेरा भाई नहीं...?'' मेरा गला रुँध गया। मैं खुलकर बोल न सका। मेरी आँखों में कुछ ऐसा था, जैसे कि मैं धुँधले शीशों में से देख रहा होऊँ।

''अच्छा...भैया, मिन्दो और प्रीतो को मेरा सलाम कहना।'' जैनब ने मेरी बहनों को सन्देश दिया-''और उन आँगनों को भी सलाम कहना जहाँ मेरा दिल बार-बार जाता है। हमारे पिछवाड़े वाले बाड़े में आम की जड़ों को कभी-कभी पानी दे देना। उसकी पौध मैंने बड़े चाव से खुद लगायी थी। उसके चमकते हुए बैंगनी पत्ते कहीं सूखकर झड़ न जाएँ...।'' जैनब कहती गयी जैसे कि रोगी अन्त समय में बुड़बुड़ाता है।

शाम को थका सूरज पश्चिम में छुप गया और एक-एक करके बैलगाडिय़ों की लम्बी पंक्ति मेरे पास से सरकती ख़त्म हो गयी।

'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

धन्यो गृहस्थाश्रम

सानन्दं सदनं सुताश्च सुधियः कान्ताप्रियभाषिणी
सन्मित्रं सधनं स्वयोषिति रतिः चाज्ञापराः सेवकाः।
आतिथ्यं शिवपूजनं प्रतिदिनं मिष्टान्नपानं गृहे
साधोः सङ्गमुपासते हि सततं धन्यो गृहस्थाश्रमः।।

शार्दूलविक्रीडित छन्द में रची उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ है कि घर में आनंद हो, संतान बुद्धिमान हो, पत्नी मधुरभाषिणी हो, मित्र सच्चे हों, घर में धन हो, पत्नी के प्रति पति निष्ठावान हो, सेवक आज्ञापालक हो, घर में अतिथियों का सत्कार होता हो, शिव का पूजन होता हो, प्रति दिन उत्तम भोजन बनता हो और सज्जनों का संग होता हो तो ऐसा गृहस्थाश्रम धन्य है।

इस रचना में गृहस्थ आश्रम की श्रेष्ठता प्रतिपादित की गई है। विशेष बात यह कि प्राचीन समय में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था के अनुसार रचे गए इस पथदर्शक काव्य में अधिकांश मूलभूत मूल्य उद्घोषित हुए हैं जिनमें कालानुसार किंचित परिवर्तन ही आया है।

भारतीय दर्शन ने जीवन को चार आश्रमों में विभक्त किया है। ये हैं - ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। प्रत्येक कालखंड की अवधि 25 वर्ष रखी गई है। ब्रह्मचर्य जीवन के पहले 25 वर्ष का कालखंड है। यह औपचारिक शिक्षा एवं व्यवहार जगत की दीक्षा हेतु है। 25 से 50 वर्ष की आयु गृहस्थाश्रम है। यह सांसारिक दायित्वों की पूर्ति का समय है। इसमें विवाह, संतान को जन्म देना, उनका लालन-पालन करना, उनकी शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करना, परिवार को केंद्र में रखना आदि सम्मिलित हैं। वानप्रस्थाश्रम, पारिवारिक दायित्वों से शनै:-शनै: मुक्त होने का कालखंड है। दायित्वों से मुक्ति अंतस की यात्रा के लिए प्रेरित करती है। फलत: वानप्रस्थाश्रम में निरंतर आध्यात्मिक विकास होता है। इस शृंखला में अंतिम आश्रम संन्यास कहलाता है। यह संसार से विरक्त होकर ईश्वर में अनुरक्त होने की कालावधि है। चौथे पुरुषार्थ मोक्ष की ओर ले जाने का साधन है संन्यास।

चारों आश्रमों में गृहस्थ आश्रम को महत्वपूर्ण माना गया है। यह सृष्टि के सातत्य की अटूट शृंखला बनाए रखने का साधन भर नहीं है। मनुष्य की मनुष्यता के विकास में गृहस्थ आश्रम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। परिवार का उद्भव, एक दूसरे की कमियों-अच्छाइयों अर्थात शक्ति बिंदुओं और निर्बलताओं के साथ चलना, परस्पर मान-सम्मान देना, विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा करना, सामूहिक निर्णय लेना, उदारता, सहनशीलता, सुख-दुख में साथ रहना आदि बहुत कुछ सिखाता है गृहस्थ आश्रम।

अब 'मैं और मेरा' तक सीमित मूल्यधर्मिता का समय है। शिक्षा से लेकर खानपान व पहनावे से लेकर सामाजिक औपचारिकता तक में आयातित संस्कृतियों का अनुकरण कर हमने अपने अस्तित्व पर स्वयं ही प्रश्नचिन्ह लगा लिया है। इसके दुष्परिणाम गृहस्थ आश्रम पर दृष्टिगोचर हो रहे हैं। 18 से 20 वर्ष की आयु में होने वाला परिणय, शिक्षा के चलते 25 वर्ष तक पहुँचा। यह तर्कसम्मत था। तत्पश्चात करियर के चलते 25 से बढ़कर 30 तक पहुँच गया। अब 35 वर्ष की औसत आयु तक आ चुका है। इस आयु तक आते-आते युवक-युवती बौद्धिक रूप से परिपक्व हो चुके होते हैं। तथापि यह भी ध्यान रखना चाहिए कि युवावस्था का शिखर काल भी ढलान पर होता है।

इस अवस्था में व्यवहार बुद्धि अधिक सक्रिय हो उठती है। प्रेम के स्थान पर व्यवहार प्रधान हो जाता है। मस्तिष्क पड़ताल करने में जुटा रहता है पर मन गौण होने लगता है। अपने ही बनाए घेरों में घिरे इन युवाओं को पता ही नहीं होता कि जीवन दो और दो मिलकर कर चार होने का गणित नहीं होता। यदि ऐसा ही होता तो मन की अनुभूतियाँ होती ही नहीं।

आजकल युवक-युवती दोनों आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं, यह सुखद है। दुखद यह है कि अधिकांश के शब्दकोश में लचीलेपन का अर्थ समझौता लिखा होता है। लचक और समझौते में अंतर न कर पाने के कारण समय बीतता रहता है।

वर्तमान असंगत स्थिति के कारणों की मीमांसा करते हुए इस सत्य को भी स्वीकारना होगा कि लड़कियों ने सतत कठोर परिश्रम से समाज में अपना स्थान बनाया है। व्यक्ति से व्यक्तित्व की यात्रा कर उन्होंने अपनी योग्यता प्रमाणित की है। विडंबना है कि पुरुष का अहंकार, 'मेल ईगो' नारी की इस सफलता को स्वीकार करने के लिए अभी भी तैयार नहीं है। आज भी ऐसे परिवार मिल जाएँगे जो बहू को घर की चौखट तक सीमित रखना चाहते हैं। जिनके लिए चूल्हे-चौके से परे स्त्री जीवन का दूसरा कोई अर्थ नहीं है। इसके चलते उच्च शिक्षित युवतियों की विवाह से विमुखता भी बढ़ रही है।

सनद रहे कि सात जन्मों का साथ चाहने वाली विवाह संस्था का स्थान डगमगा रहा है। विवाह होना कठिन हो चला है और होने के बाद उसे निभाना और अधिक कठिन। विवाह योग्य युवक-युवतियों को याद रखना चाहिए कि 'नो वन इज़ परफेक्ट।' अगर, मगर, किंतु-परंतु विवाह की डगर को संकरा करते जा रहे हैं। विवाह के बाद सामंजस्य के अभाव में संबंध विच्छेद सैकड़ों प्रतिशत की दर से बढ़े हैं। संबंध विच्छेद से बच्चों पर जो बीतती है, उस पर किसी का विचार होता दिखता नहीं। बच्चे को माँ और पिता, दोनों की आवश्यकता होती है। एक से दूर रहने के कारण उनकी मनोदशा पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यक्ष प्रश्न है कि कहाँ जा रहे हैं हम?

'ईट, ड्रिंक एंड बी मेरी' के मद में डूबा समाज क्या शेष संभावनाओं के मुरझाने की प्रतीक्षा में है? स्मरण रहे, विवाह, गृहस्थ आश्रम का प्रवेश द्वार है। गृहस्थाश्रम इहलौकिक और पारलौकिक संभावनाओं का अशेष जगत है। इसे बाहर खड़े रहकर नहीं समझा जा सकता। आदि शंकराचार्य जैसे मूर्धन्य को भी देवी भारती के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए एक राजा की देह में प्रवेश कर गृहस्थाश्रम को जीना पड़ा था। अशेष के 'अ' की रक्षा के लिए कमर कसने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत और समष्टिगत प्रयासों की आवश्यकता है। मैं तो अभियान पर निकल चला हूँ। क्या आपने चलना आरम्भ किया?....इति।

वीर गाथा

कैप्टन एमवी प्रांजल : आम नागरिकों का जीवन बचाकर आतंकवादियों के मंसूबों को किया विफल

कैप्टन एमवी प्रांजल का जन्म 18 जुलाई, 1995 को बेंगलूरु में हुआ था। उनका बचपन मंगलूरु में बीता था। माता अनुराधा देवी और पिता एम वेंकटेश के बहादुर बेटे प्रांजल को भारतीय सशस्त्र बलों से बड़ा लगाव था। वे बहुत प्रतिभाशाली छात्र थे। वे 12वीं कक्षा के बाद बेंगलूरु के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग करना चाहते थे, लेकिन इसी दौरान सेना में भर्ती होने का फैसला किया। वे टीईएस के जरिए चुने गए थे। प्रांजल को सिग्नल कोर में नियुक्त किया गया। बाद में उन्हें कश्मीर घाटी में तैनात 63 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया। उन्हें दिसंबर 2023 में पदोन्नति हासिल कर मेजर बनना था, लेकिन इससे पहले ही देश के लिए बलिदान हो गए।

22 नवंबर को खुफिया सूत्रों ने सूचना दी कि राजौरी जिले के एक इलाके में कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। इसका विश्लेषण करने के बाद कैप्टन प्रांजल अपने साथी जवानों के साथ एक निगरानी अभियान पर भेजे गए। प्रांजल ने दो आतंकवादियों की हरकत देखी। उन्होंने भी प्रांजल को देख लिया था। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। उस इलाके में आम नागरिक भी थे। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी था। प्रांजल और साथी जवानों ने गोलीबारी करते हुए आतंकवादियों पर दबाव बनाए रखा। गंभीर रूप से घायल हुए प्रांजल ने आतंकवादियों के मंसूबों को विफल किया और आम नागरिकों का जीवन बचा लिया।

ऑपरेशन जारी रहा और आखिरकार सभी आतंकवादी ढेर हो गए। दु:खद यह रहा कि देश ने प्रांजल सहित चार सैनिक खो दिए थे। हमें इन वीर बलिदानियों पर गर्व है। ये देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए अमर हो गए। कैप्टन एमवी प्रांजल को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

प्रसंग

पूजनीय कौन

एक मंदिर में स्थापित प्रस्तर प्रतिमा पर चढ़ाए गए पुष्प ने क्रोधित होकर पुजारी से कहा, तुम प्रतिदिन इस प्रस्तर प्रतिमा पर मुझे चढ़ाकर इसकी पूजा करते हो। यह मुझे कतई पसंद नहीं है। पूजा मेरी होनी चाहिये क्योंकि मैं कोमल, सुंदर, सुवासित हूँ। यह तो मात्र पत्थर की मूर्ति है। मंदिर के पुजारी ने हँसते हुए कहा, हे पुष्प, तुम कोमल, सुंदर, सुवासित अवश्य हो पर तुम्हें ईश्वर ने ऐसा बनाया है। ये गुण तुम्हें सहजता से प्राप्त हुए हैं। इनके लिये तुम्हें कोई श्रम नहीं करना पड़ा है। पर देवत्व प्राप्त करना बड़ा कठिन काम है। इस देव प्रतिमा का निर्माण बड़ी कठिनाई से किया जाता है। एक कठोर पत्थर को देव प्रतिमा बनने के लिये हजारों चोटें व पड़ी सहनी पड़ती है। चोट लगते ही अगर यह टूट कर बिखर जाता तो शायद यह कभी देव प्रतिमा नहीं बन सकता था। एक बार ग कठोर पत्थर देव प्रतिमा में ढल जाए तो लोग उसे बड़े आदर भाव से मंदिर में स्थापित कर प्रतिदिन उसकी पूजा अर्चना करते हैं। इस प्रस्तर की सहनशीलता ने ही इसे देव प्रतिमा के रूप में पूजनीय तथा वंदनीय बना दिया है। यह सुनकर पुष्प मुस्कुरा दिया। वह समझ गया कि कठिन परीक्षा को सफलता पूर्वक पार करनेवाला ही देवत्व प्राप्त करता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘देशभक्ति हमारे धर्म में निहित, भारत सरकार ने पहलगाम घटना का दृढ़ता से जवाब दिया’

ओएफबीजेपी-यूएसए का ‘मीट एंड ग्रीट’ कार्यक्रम हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यू जर्सी। ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अदापा प्रसाद के नेतृत्व में अमेरिका में न्यू जर्सी के एडिसन में शुक्रवार को 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके मुख्य अतिथि मुरलीधर राव थे। राव ने सभा को संबोधित करते हुए पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवधि में भाजपा द्वारा की गई प्रगति के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे यह दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय चुनाव अब जाति, क्षेत्र, भाषा या मजहब के बजाय विकास पर केंद्रित हैं। उन्होंने मोदी सरकार को लोगों द्वारा दिए गए भारी समर्थन की तारीफ की। राव ने भारत के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, वैश्विक कूटनीतिक स्थिति और

विकास की दिशा पर भी बात की।

उन्होंने इस पर खुशी जाहिर की कि भारतीय अमेरिकी, क्षेत्रीय या भाषाई पृष्ठभूमि से परे, अमेरिका में भारत की एक एकीकृत पहचान का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने मातृभूमि के प्रति उनके प्रेम तथा भारत को समृद्ध होते देखने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि देशभक्ति हमारे धर्म में गहराई से निहित है और हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली है। इसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पहलगाम में हाल में हुई घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने दृढ़ता और प्रभावी तरीके से जवाब दिया है।

राव ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा पिछले 70 वर्षों की गलतियों और उपेक्षाओं को सुधारने के लिए काम कर रही है। साथ ही भारत के विकास को आगे बढ़ाने और वैश्विक मंच पर भारतीय मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व ही आगे बढ़ने का स्पष्ट रास्ता है और वर्तमान में राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति दृढ़ विश्वास एवं प्रतिबद्धता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने मोदी सरकार का समर्थन करने में भारतीय अमेरिकियों के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुगुला कृष्णा रेड्डी ने मुरलीधर राव की तारीफ करते हुए उन्हें एक वरिष्ठ नेता बताया, जिन्होंने अतीत में नक्सली गोलीबारी से बचने के बावजूद अपनी राष्ट्रवादी विचारधारा को कभी नहीं छोड़ा। तेलंगाना ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष और तेलंगाना के लिए वैश्विक एनआरआई सह-संयोजक विलास जम्बुला ने कहा कि ओएफबीजेपी-यूएसए स्वयंसेवक भी तेलंगाना में भाजपा सरकार लाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस अवसर पर अमर गोस्वामी, गुंजन मिश्रा, श्रीकांत रेड्डी, शरथ रेड्डी वेमुला, हरि इप्पनपल्ली, गोपी, बालागुरु, संतोष कोरम, देव काकरला, लक्ष्मी देविनेनी और प्रेम कतरागड्डा भी मौजूद थे। कार्यक्रम में अनेक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली

कोलकाता में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर तंबाकू विरोधी रैली के दौरान कंकाल के मुखौटे और पोशाक पहने हुए रैली में भाग लिया।

‘अमेरिका चीन के ‘आसन्न’ खतरे के खिलाफ हिंद-प्रशांत सहयोगियों के साथ खड़ा रहेगा’

सिंगापुर/एपी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों से शनिवार को कहा कि उनका देश चीन की ओर से बढ़ते सैन्य और आर्थिक दबाव का सामना करने के लिए उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा लेकिन इन देशों को भी अपना रक्षा खर्च बढ़ाना चाहिए।

हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका देश के बाहर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा ताकि वह चीन की ओर से तेजी से बढ़ रहे खतरों, विशेष रूप से ताइवान के प्रति उसके आक्रामक रुख का मुकाबला कर सके।

चीन ने यह परीक्षण करने के लिए कई (सैन्य) अभ्यास किए हैं कि स्वशासित द्वीप ताइवान की नाकाबंदी कैसी की जा सकती है। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और अमेरिका ने इसकी रक्षा करने का संकल्प जताया है।

सिंगापुर में सुरक्षा सम्मेलन में हेगसेथ ने कहा कि चीन की सेना ''किसी बड़ी घटना की तैयारी के लिए अभ्यास कर रही है। हम चिकनी चुपड़ी बात नहीं करेंगे। चीन श्रवा उत्पन्न खतरा वास्तविक है और यह निकट भविष्य में सामने आ सकता है।''

हेगसेथ ने 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज' श्रवा आयोजित वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'शांगरी-ला वार्ता' में कहा कि चीन अब ताइवान पर कब्जा करने के लिए न केवल अपने सैन्य बलों को मजबूत कर रहा है बल्कि वह ''इसके लिए हर दिन सक्रिय रूप से प्रशिक्षण आयोजित भी कर रहा है।''

हेगसेथ ने लैटिन अमेरिका में चीन की महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर पनामा नहर पर प्रभाव बढ़ाने के उसके प्रयासों की भी आलोचना की। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आग्रह किया कि वे रक्षा व्यय को अपने सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत के बराबर स्तर तक बढ़ाएं। हेगसेथ ने कहा, ''हम सभी को अपना योगदान देना होगा।'' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुछ महीने पहले पैट्रियट मिसाइल रक्षा बटालियन को पश्चिम एशिया में भेजने के लिए इसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र से हटा दिया। हेगसेथ से जब पूछा गया कि अगर हिंद-प्रशांत अमेरिका के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र है तो अमेरिका ने उन संसाधनों को वहां से क्यों हटाया।

लातविया ने आतंकवाद के प्रति विरोध जताया, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के महत्व को रेखांकित किया

रीगा/भाषा

- **रीगा में भारतीय दूतावास ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, सीमा पार आतंकवाद के प्रति किसी प्रकार की कोई नरमी नहीं बरतने पर भारत के एकजुट रुख को पेश करते हुए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री एंडजेज विलम्सन और राजदूत एंड्रेज पिल्डेगोविक्स से मुलाकात की।**

लातविया पहुंचे भारत के एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री एंडजेज विलम्सन से मुलाकात की। विलम्सन ने आतंकवाद के सभी प्रकारों के प्रति लातविया के स्पष्ट विरोध को दोहराया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। सांसद कनिमोई करुणानिधि के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के कूटनीतिक संपर्क के हिस्से के रूप में लातविया की राजधानी का दौरा कर रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी। रीगा में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सीमा पार आतंकवाद के प्रति किसी प्रकार की कोई नरमी नहीं बरतने पर भारत के एकजुट रुख को पेश करते हुए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री एंडजेज विलम्सन और राजदूत एंड्रेज पिल्डेगोविक्स से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने के कारणों और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होने पर जवाब देने के अधिकार यानी भारत के नए रुख पर तथ्य साझा किए।

पोस्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री ने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर लातविया की कड़ी निंदा को दोहराया और आतंकवाद के सभी रूपों के प्रति अपना स्पष्ट विरोध जताया। लातविया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। वहीं लातविया के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, विदेश मंत्री ने राजनीतिक संवाद और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में लातविया की रुचि व्यक्त की।

इससे पहले, प्रतिनिधिमंडल ने रीगा में लातविया के राष्ट्रीय पुस्तकालय का दौरा किया और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, संदेश स्पष्ट है। भारत शांति का पक्षधर देश है और वैश्विक शांति के लिए काम करना जारी रखेगा। हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' उस समय फिर शुरू होगा जब भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने की मंशा रखने वाली ताकतों से खतरा होगा।

‘द ट्रेटर्स’ से एक्टिंग में डेब्यू करने जा रहीं अंशुला कपूर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्या आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं? जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे।

प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। 'द ट्रेटर्स' के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं। ये 20 कंटेस्टेंट राजस्थान के शानदार सूर्यगढ़ पैलेस में नकद पुरस्कार और खिताब जीतने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह शो 12 जून से शुरू होगा और हर गुरुवार रात 8 बजे प्राइम वीडियो पर इसका प्रीमियर होगा।

मैं अपना सब कुछ ईश्वर पर छोड़ चुकी हूं : ममता कुलकर्णी

मुंबई/एजेन्सी

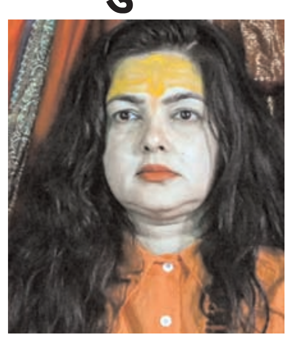

अभिनेत्री ममता कुलकर्णी जल्द ही श्री कल्किधाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उनका मानना है कि ईश्वर हर किसी को एक प्रयोजन के साथ धरती पर भेजते हैं। उन्होंने कहा, जगत जननी ने मुझे पुण्य कर्मों के लिए भेजा है। ममता कुलकर्णी ने बताया, मेरा मानना है कि ईश्वर हम लोगों को एक खास प्रयोजन के साथ दुनिया में भेजते हैं और मेरा जन्म भी खास प्रयोजन या इसी तरह के पुण्य कर्मों के लिए हुआ है। कल्कि धाम जाने के लिए उत्साहित ममता कुलकर्णी ने कहा कि जगत जननी ने मुझे इसी काम के लिए भेजा है। वे पहले महाकुंभ में स्नान करने गई थीं। लेकिन, वे वहां से महामंडलेश्वर बनकर लौटीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला में स्नान करने गई थी। लेकिन, वहां से महामंडलेश्वर बनकर लौटी। यह समझना मुश्किल है कि भगवान किस उद्देश्य से और कहां जाने का आदेश देते हैं। मैं इसे भगवान की इच्छा पर छोड़ देती हूं, यह विश्वास रखते हुए कि श्री कल्किधाम की यात्रा और शिला दान का कार्य भी भगवती की इच्छा या किसी विशेष प्रयोजन से प्रेरित है। यह आध्यात्मिकता और भगवान के प्रति समर्पण को दिखाता है। शायद भगवती का आदेश हो या उनका एक प्रयोजन हो कि मुझे श्री कल्किधाम जाकर वहां शिला दान मेरे हाथ से हो, इसलिए मैं वहां जा रही हूं। इससे पहले ममता कुलकर्णी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बात करते हुए शुक्रवार को राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें सबूत चाहिए, तो 10 दिन के लिए पाकिस्तान चले जाएं।

ममता कुलकर्णी ने कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए कहा, सबूत चाहिए तो 10 दिन के लिए पाकिस्तान चले जाइए। उनका क्या हाल है, यह खुद देख आइए। हिंदुस्तानियों को जो करना था, उन्होंने करके दिखा दिया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता शशि थरूर की तारीफ की और बताया कि वह अच्छे इंसान हैं। ममता ने यह भी बताया कि उनकी राजनीति में आने की कोई मंशा या योजना नहीं है। कल्कि धाम से जुड़ी अभिनेत्री ने कहा, कल्कि विष्णु जी के 10वें अवतार माने जाते हैं। मुझे एक शिलान्यास के लिए आमंत्रित किया गया है और यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने 25 साल ध्यान और तप किया है और इस पुण्य कर्म के लिए मेरा चयन हुआ है।

‘हाउसफुल 5’ का नया गाना ‘द फुगड़ी डांस’ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' का एक और नया गाना 'द फुगड़ी डांस' शनिवार को रिलीज किया गया। यह गाना फिल्म के बाकी गानों जैसे 'लाल परी', 'दिल ए नादान' और 'कयामत' से काफी अलग है। नया गाना सुनने में काफी मजेदार और जोश से भरपूर है। गाने में बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर नाना पाटेकर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वह फिल्म के हर कलाकार को अपने अंदाज में 'फुगड़ी डांस' करते हुए दिखाते हैं। इस गाने को मशहूर डीजे, संगीत निर्माता और सिंगर क्रेटेक्स ने गाया है। इसका म्यूजिक तनिष्क बागची ने क्रेटेक्स के साथ मिलकर तैयार किया है। बता दें कि 'फुगड़ी डांस' महाराष्ट्र का एक पारंपरिक लोक नृत्य है। यह अलग-अलग संस्कृतियों में किया जाता है। इसमें महिलाएं गोलाकार खड़ी होकर घूमते हुए डांस करती हैं।

इस गाने में काफी समय बाद नाना पाटेकर को एक मजेदार और अलग अंदाज में देखा गया है। वह अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ मस्ती भरे डांस से सभी को हंसाते दिख रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख, तीनों रंजीत की 69 अरब पाउंड की वसीयत के लिए आपस में भिड़ते नजर आए। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रंजीत का मर्डर हो जाता है। यहां फिल्म सिर्फ कॉमेडी नहीं रहती, बल्कि यह एक मजेदार मर्डर मिस्ट्री बन जाती है। इसमें बहुत सारे ऐसे सीन और डायलॉग हैं, जो बॉलीवुड की पुरानी और मशहूर फिल्मों की याद दिलाते हैं। उदाहरण के लिए, जैकी श्रॉफ एक सीन में कहते हैं, 'छोटी बच्ची है क्या?', यह डायलॉग असल में उनके बेटे टाइगर श्रॉफ की पहली फिल्म 'हीरोपंती' का मशहूर डायलॉग है। 'हाउसफुल 5' फिल्म के निर्देशक तरुण मनसुखानी हैं, जो इससे पहले 'दोस्ताना' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं।

इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। साजिद नाडियाडवाला फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं।

शलिनी पांडे ने कासोल में शुरू किया फिल्म ‘राहु केतु’ का दूसरा शेड्यूल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शलिनी पांडे ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म राहु केतु की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत कसोल में शुरू कर दिया है। अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली शालिनी ने सोशल मीडिया पर सेट से बिहाइंड-द-सीन तस्वीरें शेयर कर फैन्स को एक झलक दी। नई शेयर की गई तस्वीरों में शालिनी ने अपने किरदार का नाम ‘मीनू’ बताया। ये तस्वीरें पहाड़ियों की सादगी और खूबसूरती में घुलती नज़र आती हैं। उनके कैप्शन में

लिखा था, मिलिए मीनू से, मेरी आने वाली फिल्म के सेट से :)जल्द आपसे मिलवाने का इंतज़ार नहीं हो रहा! राहु केतु। मुंबई शेड्यूल पूरा करने के बाद अब शालिनी अपने को-स्टार्स पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा के साथ कासोल में अगले फेज की शूटिंग कर रही हैं। इस शेड्यूल में पहाड़ों की वादियों में बसी कहानी की एक नई परत और खूबसूरत विज़ुअल टोन जुड़ रही है, जो फिल्म को और भी गहराई देगी।

राहु केतु की शूटिंग के साथ, शालिनी पांडे की 2025 की लाइनअप भी चर्चा में है। वह धनुष के साथ इडली कड़ई में नज़र आएंगी और अमेज़न की बैंडवाले में जहान कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी।

फिल्म द फिल्म ‘दैट नेवर वाज’ ने बढ़ाई उत्सुकता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता ज़ायद खान की डिजिटल डेब्यू फिल्म 'द फ़िल्म दैट नेवर वाज़' एक बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट बन गई है, जो अपने रहस्यमय शीर्षक और उससे जुड़ी चुप्पी के कारण इंटरनेट पर चर्चा का विषय बनी हुई है। ज़ायद खान ने खुद प्रशंसकों को अपनी कल्पना को खुलकर उड़ान देने का निमंत्रण दिया है, क्योंकि फिल्म से जुड़ी जानकारी बेहद सीमित है। यह फिल्म ज़ायद खान का एक ऐसा रूप दिखाने वाली है जो पहले कभी नहीं देखा गया। इसकी सबसे बड़ी सनसनी यह है कि फिल्म से जुड़ा हर व्यक्ति इस प्रोजेक्ट पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता चरम पर है। कहानी क्या है? विषय क्या है? कौन-कौन कलाकार हैं? ये सब सवाल प्रशंसकों को बेचैन कर रहे हैं। अफवाहों का बाज़ार गर्म है कि इस फिल्म में 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो अपीयरेंस हैं, जिनमें रितेश देशमुख, फराह खान, सुज़ैन खान, जैकी श्रॉफ और यहां तक कि शाहरुख़ खान भी शामिल हो सकते हैं। इन नामों की चर्चा ने फिल्म के प्रति उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। यह ध्यान देने योग्य है कि यह फिल्म, जो कि एक मॉक्युमेंट्री है, पहली बार 2022 में ज़ायद खान ने अपने सोशल मीडिया

पर घोषित की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि यह फिल्म एक इमोशनल रोलर-कोस्टर होगी, जिसे बेहद असली और सच्चे अंदाज़ में फिल्माया गया है। ज़ायद ने तब लिखा था: यह देखना बड़ा मज़ेदार होगा कि आप लोग इसे किस रूप में लेते हैं। और अगर आप अब तक इसे अपनी डिवाइस पर नहीं देख पाए हैं, तो लीजिए, ये रहा अपनी कल्पना को खुलकर उड़ान दें।

सच्चाई ये है कि जब तक हर कोई इस फिल्म को देख नहीं लेता, तब तक यह समझना मुश्किल है कि इसका नाम ऐसा क्यों रखा गया। इस फिल्म की परिकल्पना असीम मर्चेंट ने की थी, जो इसके निर्माता भी हैं। इसके लेखक-निर्देशक मंडल में ज़ायद खान, मोहित श्रीवास्तव और केविन डेव भी शामिल हैं। बिना ज़्यादा जानकारी के भी इस फिल्म को लेकर जो रहस्य बना हुआ है, वही इसकी सबसे बड़ी ताकत बन गया है। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' आज के समय की सबसे चर्चित और रहस्यमय फिल्मों में से एक बनती जा रही है।

दर्शक बेसब्री से किसी भी जानकारी के लिए इंतज़ार कर रहे हैंक्या बात है इस कहानी में, जो ज़ायद खान ने अपने डिजिटल करियर की शुरुआत के लिए इसी प्रोजेक्ट को चुना? और ऐसा कौन सा राज़ है, जिसकी वजह से आधे बॉलीवुड सितारे इस फिल्म में किसी न किसी रूप में शामिल हैं? इसका अनोखा नाम ही लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा हैऔर शायद इसी का मक़सद है: सोचते रहो!

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आरआर नगर सभा भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में नवकार महामंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

सुमतिनाथ जैन मंदिर के शिखर पर 98वां ध्वजारोहण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में महावीरनगर स्थित सुमतिनाथ जिनालय के शिखर पर 98वां ध्वजारोहण लाभार्थी तिलोकचंद-पूनमचंद वलदरिया परिवार की ओर से किया गया। महावीर भवन से शनिवार को प्रातः आचार्यश्री एवं सकल संघ के साथ लाभार्थी परिवार ने ध्वजा की शोभायात्रा निकाली और जैन मंदिर पहुंचे। मंदिर में स्थापित भगवान की प्रतिमा के समक्ष सुमतिनाथ जैन संगीत मंडल, सुमतिनाथ महिला मंडल एवं सुमति वधू मंडल की ओर से सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई गई। सम्पूर्ण धार्मिक अनुष्ठान एवं विधि विद्यान नितेश गुरु एवं रूपेश गुरु ने करवाया। ध्वजारोहण के बाद शांति पाठ किया गया। लाभार्थी परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भैरूमल राठौड़, सचिव कांतिलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पारसमल सिंघवी, सुमतिनाथ नवयुवक मंडल के उपाध्यक्ष विनोद ओसवाल, सचिव ललित राठौड़, सहसचिव संदीप संकलेचा, कोषाध्यक्ष आनंद सालेचा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या श्रद्धालु मौजूद रहे।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में 'मातृत्व' विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आरआर नगर सभा भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में नवकार महामंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री संयमलताजी एवं माधवश्रीजी ने कहा कि हर स्त्री के लिए मातृत्व ईश्वर का दिया हुआ सबसे सुंदर वरदान है।जिस तरह के संस्कारों का बीजारोपण गर्भावस्था में होता है उसी के अनुरूप संतान का जन्म होता है अर्थात गर्भावस्था के दौरान हर मां को विशेष रूप से अपनी शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। मानसिक रूप से तनाव मुक्त रहने हेतु ध्यान, मौन, जप, स्वाध्याय आदि का प्रयोग करते रहना चाहिए तभी एक स्वस्थ संस्कारी संतान का जन्म होता है।

इस कार्यशाला में प्रशिक्षिका के रूप में एट्रियम स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डॉक्टर राधा ने गर्भकाल में दौरान अच्छी संतान के लिए पौष्टिक खानपान के विषय में चर्चा की। अनीता बैद ने कुछ आसनों द्वारा तनाव मुक्त रहने के उपाय बताए।विभिन्न केंद्रों पर महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया जिससे गर्भस्थ शिशु के संस्कारों के निर्माण में सहायता मिलती है। दोनों प्रशिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। मंत्री पदमा महेर के कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका रुचिका पटावरी ने किया। सहमंत्री वंदना भंसाली ने सभी को धन्यवाद दिया।

'साधु साध्वियों का मिलन पारस्परिक सम्मान और सद्‌भाव का प्रतीक है'

लालबाग में हुआ साधु साध्वियों का आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी का साध्वीश्री पुण्ययशाजी के आध्यात्मिक मिलन शनिवार को सुबह लालबाग ग्लास हाउस में हुआ्। इस अवसर पर मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दृश्य 60 वर्ष पूर्व के उस पावन क्षण की याद दिलाता है, जब आचार्यश्री तुलसी चतुर्विध संघ के साथ बेंगलूरु धरा की लालबाग की धरती पर आए थे। आज पुनः वैसा ही दृश्य इस आध्यात्मिक मिलन में दिख रहा है। यह संगम न केवल एक ऐतिहासिक घटना है, बल्कि आध्यात्मिक प्रेरणा का पुंज भी है।

मुनिश्री ने साध्वीश्री पुण्ययशाजी के आरआर नगर में प्रस्तावित आगामी चातुर्मास की मंगलकामना की। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ में साधु-साध्वी का मिलन सदा सौहार्दपूर्ण रहा है। यह मिलन केवल पारस्परिक सम्मान और सद्भाव का प्रतीक नहीं, अपितु श्रावक समाज के लिए अनुकरणीय प्रेरणा भी है। उन्होंने गांधीनगर, तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री के प्रस्तावित चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। इस विशेष अवसर पर तेयुप परामर्शक जितेन्द्र घोषाल ने कहा कि तेरापंथ समाज के इतिहास में यह पहली बार है जब लालबाग जैसे ऐतिहासिक स्थल पर साधु-साध्वियों का मिलन हुआ है। यह अवसर समाज के लिए गर्व का विषय है और इसे दीर्घकाल तक स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया, युवा वाहिनी सहसंयोजक ललित चोपड़ा, परिषद सदस्य आलोक कुंडलियाँ, सभा के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी, विल्सन गार्डन से सुभाष डागा, कन्हैयालाल चिप्पड़, शांतिनगर से धर्मेंद्र बच्छावत, पवन बच्छावत, नरेंद्र सुराणा, किशोर मंडल संयोजक जय कोठारी आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीण माता की संगीतमय कथा एवं वार्षिकोत्सव 24 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीण माँ के दीवाने संस्था के तत्वावधान में शनिवार को लालबाग रोड़ स्थित नवरंग लाल सुल्तानिया के निवास स्थान पर संस्था के सदस्यों की बैठक हुई जिसमें सहमति से 24 अगस्त को द्वितीय वार्षिकोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस वार्षिकोत्सव में जीण माता के चरित्र पर आधारित संगीतमय मंगलपाठ व नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि यह वार्षिकोत्सव विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसेश्वरा सुगनाना कल्याण मण्डप में किया जाएगा। वरिष्ठ सदस्य मन्नालाल भामा ने बताया कि इस बार वार्षिकोत्सव में जयपुर के गायक रवि सोनम सोनी भजनों की प्रस्तुति देंगे व कोलकाता के कलाकार झांकी के साथ संगीतमय कथा का वाचन करेंगे।

वेश बदलाव के साथ क्लेशों का परिवर्तन ही वास्तविक संन्यास है : साध्वीश्री सोमयशा

दीक्षार्थी साधना बांठिया का मंगल भावना कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में दीक्षार्थी साधना बांठिया का मंगलभावना कार्यक्रम आयोजित हुआ्। सोमयशाजी ने कहा कि जीवन में जो गहरा बदलाव आता है वही सच्चा दीक्षा का मार्ग है। केवल वेश बदलना संन्यास नहीं है, क्लेशों का परिवर्तन ही वास्तविक संन्यास है। साध्वीश्री ने दीक्षार्थी को प्रेरणा दी कि अंतर्मुखी बनकर जीवन में आगे बढ़ना, स्वयं को बेहतर बनाना, मिथ्यात्व के मैल को साफ करने के लिए फिल्टर बनना, थर्मामीटर की तरह कषायों को नापने का अभ्यास करना, जिस लक्ष्य से तुम दीक्षा के मार्ग पर अग्रसर हो रही हो उसमें सदैव गतिमान और निष्ठावान रहना। साध्वी सरलयशाजी ने दीक्षा के बारे में जानकारी दी एवं आध्यात्म की शक्तिवर्धन की मंगलकामना की।

दीक्षार्थी साधना बांठिया ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हुए कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस महान संयम यात्रा में अग्रसर होने हेतु गुरु कृपा प्राप्त हुई है। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत किया। उपासिका सरस्वती बाफना ने दीक्षार्थी का परिचय दिया। सभा के उपाध्यक्ष विनय बैद ने अभिनन्दन पत्र का वाचन किया। सिवांची मालानी संघ की अध्यक्षा संगीता तातेड़ ने भावना व्यक्त की। इस अवसर पर सभा के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

संविधान से ही राष्ट्र में विकास संभव है : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ बाबू जगजीवन राम शोधन संस्थान एवं कर्नाटक आदि जनभाव संगठन वक्कुटा के संयुक्त तत्वावधान में बेंगलूरु स्थित डॉक्टर जगजीवनराम सभागार में 'संविधान जागृति सम्मेलन' का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर सिद्धराज स्वामी ने दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन की शुरुआत की। कार्यक्रम में विभिन्न दलित संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान से ही हमें समानता का अधिकार मिला है। संविधान से ही राष्ट्र में विकास संभव है। हमें अपने संविधान पर गर्व है। सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए विशिष्ट जनों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के सदस्य हनुमंतप्पा एवं सिद्धराज ने अतिथियों को सम्मानित किया।

बच्चों में अगर कोरोना वायरस के लक्षण दिखें तो उन्हें स्कूल न भेजें : कर्नाटक सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कोरोना वायरस की स्थिति और स्कूलों को फिर से खोलने के मद्देनजर राज्य सरकार ने एक परिपत्र जारी किया है जिसमें अभिभावकों से कहा गया है कि अगर उनके बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षण हैं तो वे उन्हें स्कूल न भेजें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त ने सरकारी और निजी स्कूलों में बरती जाने वाली सावधानियों के लिए देर रात परिपत्र जारी किया है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में 26 मई को आयोजित कोरोना वायरस की स्थिति की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिया गया था। शुक्रवार देर रात जारी परिपत्र में कहा गया है, यदि स्कूली बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षण पाए जाते हैं, तो बच्चों को स्कूल न भेजें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उचित उपचार और देखभाल के उपाय अपनाएं। इसमें बच्चों को पूर्णतः ठीक होने के बाद ही स्कूल भेजने का निर्देश दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि यदि बच्चे बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षणों के साथ स्कूल आते हैं तो उनके माता-पिता को सूचित करें और उन्हें घर वापस भेज दें। स्वास्थ्य विभाग ने आगे कहा कि यदि स्कूल के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में ये लक्षण पाए जाते हैं तो उन्हें उचित एहतियाती उपायों का पालन करने की सलाह दी जानी चाहिए।

इसमें कहा गया है, कुल मिलाकर, स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य के हित में कोरोना वायरस के एहतियाती उपायों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। शुक्रवार शाम तक राज्य में कोरोना वायस के 234 मामले उपचाराधीन हैं। एक जनवरी से अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित तीन मरीजों की मौत हो चुकी है, जिन्हें अन्य बीमारियां भी थीं।

तप आराधना पारिवारिक आध्यात्मिक माहौल से ही संभव : धारीवाल

उपधान तपस्वी धारीवाल का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तप से बड़ा कोई साधन नहीं और संयम से बड़ी कोई शक्ति नहीं्। तपस्या ही वह अग्नि है जिसमें आत्मा की अशुद्धियां जलती हैं और शुद्ध आत्मा प्रकट होती है।' कुछ ऐसे अनेक उद्गारों के साथ शनिवार को यहां हनुमंतनगर स्थित चौरड़िया भवन में तपस्वी मीतेश धारीवाल का अनुमोदनीय सम्मान किया गया। 18 वर्षीय मीतेश ने तप और संयममय 48 दिनों तक उपधान तप की कठिन आराधना संपन्न की।

आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी की निश्रा में यह उपधान तप करने वाले मीतेश ने बताया कि कठोर तप बिना सिद्धि संभव नहीं है, वहीं तपस्या से ही आत्मा जागृत होती है। तप आराधना पारिवारिक, आध्यात्मिक माहौल से ही संभव है। तपस्वी सम्मान समारोह में विभिन्न संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी, समाज के गणमान्य लोग एवं परिवारजन शामिल हुए्। इनमें संपतराज धारीवाल, गौतमचंद धारीवाल, उत्तमचंद बोहरा, पारसमल श्रीश्रीमाल, राजेश मुथा सहित बेंगलूरु के साथ-साथ चेन्नई, हैदराबाद, आरकोणम, केजीएफ, बागलकोट, मैसूरु आदि से अनेक लोग शामिल हुए । कार्यक्रम का संचालन दीपक धोका ने किया। तपस्वी के पिता संजय धारीवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

संत नगर प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु पधार रहीं साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी व पूर्णप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी पार्श्वलब्धि धाम पहुंचीं जहां शनिवार को जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के सदस्यों ने टुमकूर रोड स्थित पार्श्वलब्धि धाम पहुँच कर दर्शन वंदन का लाभ लिया। ज्ञातव्य है कि गुरुवर्याश्री का चातुर्मास प्रवेश 4 जुलाई को जिनकुशलसूरी जैन आराधना भवन में होगा।

एअर इंडिया बेंगलूरु से काठमांडू के लिए प्रतिदिन उड़ान शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एअर इंडिया एक्सप्रेस एक जून से बेंगलूरु और काठमांडू के बीच रोजाना सीधी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''बैंकॉक और फुकेत जैसे कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय स्थलों में हमारे हालिया विस्तार की अगली कड़ी के तहत यह नया मार्ग निर्धारित किया गया है।'' विमानन कंपनी की वेबसाइट और अन्य प्रमुख मध्यमों से बुकिंग अब शुरू हो गई है जिसमें 'एक्सप्रेस लाइट' के लिए शुरुआती किराया 8,000 रुपये और एक्सप्रेस वैल्यू' के लिए 8,500 रुपये है। बेंगलूरु से यह उड़ान रोजाना सुबह पांच बजकर पांच मिनट पर रवाना होगी और वापसी में काठमांडू से सुबह नौ बजकर पांच मिनट पर रवाना होगी।

इस नए मार्ग से अमृतसर, भुवनेश्वर, दिल्ली, गोवा, ग्वालियर, हिंडन, हैदराबाद, इंदौर, जम्मू, जयपुर, कोझीकोड समेत भारत के 20 शहरों से बेंगलूरु के रास्ते काठमांडू के लिए एक ठहराव वाली यात्रा संभव होगी।

दक्षिण कन्नड़ जिले में दो मछुआरों के समुद्र में डूबने की आशंका

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले में सुरक्षा परामर्श का उल्लंघन कर पानी में उतरने के बाद दो मछुआरों के डूबने की आशंका है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारी वर्षा और समुद्र में उथल-पुथल के कारण दक्षिण कन्नड़ जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है। थोटाबेंगरे के स्थानीय मछुआरों के अनुसार, उनके शव अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। समुद्र में अत्यधिक उथल-पुथल रहने के कारण खोज और बचाव अभियान शुरू नहीं किया जा सका, जबकि लोग और मशीनरी अभियान शुरू करने के लिए तैयार थे। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के डूबने की आशंका है, उनकी पहचान मंगलूरु के निकट थोटाबेंगरे निवासी यशवंत और कमलाक्ष के रूप में हुई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, भारत मौसम विभाग द्वारा क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट जारी किए जाने के बावजूद, दोनों बृहस्पतिवार को सुबह मछली पकड़ने गए थे।

शनिवार को कलबुर्गी में नागरिका होर्राट्टा समिति और विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी द्वारा मंत्री प्रियांक खरगे के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com